इतिहास की पुस्तक - भाग पहिला

1 आदम, शेत,अनोश। 2 केनान,
महललेल, येरेद 3 हनोक, मतूशेलह,
लेमेक 4 नूह, शेम, हाम और येपेत 5 शेपेत
के बेटे : गोमेर, मागोग, मादै, यावान,
तूबल, मेशेक और तीरास। 6 गोमेर के बेटे :
अशकनज, दीपत और तोगर्मा 7 यावान के
बेटे : एलीशा, तर्शीश, कित्ती और रोदानी
लोग 8 हाम के बेटे : कूश, मिस्र, पूत और
कनान 9 कूश के बेटे : सबा, हबीला,
सबाता और रामा के बेटे : शबा और ददान
10 कूश के निम्रोद पैदा हुआ वही दुनिया
में पहला बहादुर इन्सान था। 11 मिस्र से
लूदी, अनामी, लहावी, नप्तही 12 पत्रूसी,
कसलूही -जिस से पलिश्ती और कप्तूरी
आए। 13 कनान से उस का बड़ा बेटा सीदोन
और हित्त। 14 तथा यबूसी, एमोरी, गिर्गाशी।
15 हिव्वी, अर्की, सीनी। 16 अर्वदी,समारी
और इमानी उत्पन्न हुए। 17 शेम के बेटे :
इलाम, असीरिया, अर्पक्षद, लूद, अराम,
ऊस, हूल, गेतेर और मेशेक। 18 अर्पक्षद
से शेलह और शेलह से एबेर पैदा हुआ।
19 एबेर के दो बेटे हुए थे। एक का नाम
पेलेग और दूसरे का योक्तान था। 20 योक्तान
से अल्मोदाद, शुलेप हसर्मावेत, येरह,
21 हदोराम, ऊजाल दिक्ला। 22 एबाल,
अबीमाएल, शबा, 23 ओपीर, हवीला और
योबाब पैदा हुए। ये सभी योक्तान के पुत्र थे।
24 शेम, अर्पक्षद, शेलह। 25 एबेर, पेलेग, रू
26 सरूग, नाहोर, तेरह। 27 अब्राम अर्थात
अब्राहम 28 अब्राहम के पुत्र इसहाक और
इश्माएल थे। 29 उनकी वशंवली ऐसी है:
इश्माएल का बड़ा बेटा नबायोत, फिर
केदार, अदवेल, मिबसाम, 30 मिश्मा,
दूमा, मस्सा, हदद, तेमा। 31 यतूर, नापीश,
केदमा। ये इश्माएल के बेटे थे। 32 अब्राहम
की रखेल कतूरा से जिम्रान, योक्षान, मदान,
मिद्यान, यिशबाक और शूह पैदा हुए।
योक्षान के पुत्र : शबा और ददान। 33 मिद्यान
के बेटे : एपा, एपेर, हनोक, अबीदा और
एलदा। ये सभी कतूरा के वंश से थे।
34 अब्राहम से इसहाक पैदा हुआ। इसहाक
के बेटे एसाव और इस्राएल थे। 35 एसाव
के बेटे एलीपज़ रूएल, यूश, यालाम और
कोरह हैं। 36 एलोप के बेटे : तेमान, ओमार,
सपी, गाताम, कनज, तिम्ना और अमालेक।
37 रूएल के बेटे : नहत, जेरह, शम्मा और
मिज्जा। 38 सेईर के बेटे : लोतान शोबाल,
सिबोन, अना, दीशोन, ऐसेर और दीशान
हैं। 39 लोतान के बेटे होरी तथा होमाम।
तिम्ना लोतान की बहन थी। 40 शोबाल
के बेटे अल्यान, मानहत, एबाल, शपी
और ओनाम। सिबोन के बेटेः अय्या और
अना। 41 अना का बेटा : दीशोन। दीशोन के
बेटेः हम्रान, एशबान, यित्रान और करान।
42 एसेर के बेटे : बिल्हान, जावान और
याकान। दीशान के बेटे : ऊस और अरान।
43 इस्राएली राजाओं के राज्य करने से पहले
एदोम के देश पर इन राजाओं ने शासन
किया। बोर का बेटा बेला था। वह दिन्हाबा
का वासी था। 44 बेला की मौत के बाद
बोस्त्राई जेरह का बेटा योआब की जगह
शासन करने लगा। 45 योआब की मौत के
बाद तेमानियों के देश का हूशाम उसके
स्थान पर राज्य करने लगा। 46 हूशाम के

देहान्त के बाद बदद का बेटा हदद जिस ने
मिद्यानियों को मोआब के मैदान में हराया
था, उसकी जगह राज्य करने लगा। उसके
नगर का नाम हवीत था। 47 हदद की मौत
के बाद मस्त्रेकाई सम्ला उसके स्थान पर
शासन करने लगा। 48 सम्ला की मौत के बाद
शाऊल जो महानद तट के रहोबोत इलाके
का था, उसके स्थान पर राज्य करने लगा।
49 शाऊल की मौत के बाद अकबोर का
बेटा बाल्हानान उसकी जगह पर आया।
50 बाल्हानान की मृत्यु के बाद हदद वहाँ
राज्य करने लगा। वह पाई का निवासी था
और उसकी पत्नी का नाम महेतबेल था ।
51 फिर हदद मर गया। एदोम के प्रधान ये थे
: प्रधान तिम्ना, प्रधान अहया, प्रधान यतेत
52 प्रधान ओहोलीबामा, प्रधान एला, प्रधान
पीनोन। 53 प्रधान कनज, प्रधान तेमान,
प्रधान मिबसार 54 प्रधान मग्दीएल, प्रधान
ईराम। ये एदोम के प्रधान थे।

2 इस्राएल के बेटे ये हैं : रूबेन, शिमोन,
लेवी, यहूदी, इस्साकार, जबूलून 2 दान,
यूसुफ़, बिन्यामीन, नप्ताली, गाद और आशेर
3 यहूदा के बेटे थे एर, ओनान और शेला
उसके ये तीनों बेटे बतशू नामक एक कनानी
महिला से पैदा हुए थे। यहूदा का बड़ा बेटा
एर परमेश्वर से नहीं डरता था, इसलिए
परमेश्वर ने उसे जीने नहीं दिया। 4 यहूदा
की बहू तामार से पेरेस और जेहर पैदा
हुए। कुल मिला कर यहूदा के पाँच बेटे
हुए। 5 पेरेस के बेटे थे हेस्त्रोन और हामूल
6 और जेरेह के बेटे थे : जिम्री, एतान,
हेमान, कलकोल और दारा 7 कर्मी का बेटा
आकान, जिस ने अर्पण की वस्तु के बारे
में आज्ञा न मानी थी और इस्राएलियों को
सज़ा मिली थी। 8 एतान का बेटा अजर्याह
था। 9 हेस्त्रोन के जो बेटे हुए, वे थे यरह-मेल,
राम और कलूबै थे। 10 राम के अम्मीनादाब,
अम्मीनादाब से नहशोन पैदा हुआ। वही
यहूदा वंशियों का अगुवा भी बना। 11 नहशोन
से सल्मा, सल्मा से बोअज़ 12 बोअज़ से
ओबेद और ओबेद से मिशै उत्पन्न हुआ।
13 यिशै से उस का बड़ा बेटा एलीआब, दूसरा
अबीनादाब, तीसरा शिमा। 14 चौथा नतनेल,
पाँचवाँ दाऊद उत्पन्न हुआ। 15 छठवाँ आसैम
और सातवाँ दाऊद उत्पन्न हुआ। 16 उसकी
बहनों का नाम सरूयाह और अबीशैल थी।
सरूयाह के तीन बेटे अबीशै, योआब और
असाहेल थे। 17 अबीगैल से असामा पैदा
हुआ और असामा का पिता इश्माएली येतेर
था। 18 हेस्त्रोन के बेटे कालेब के अजूबा
नामक पत्नी से और यरीओत से बेटे पैदा
हुए। उसके बेटे ये थे : येशेर, शोबाब और
अर्दोन। 19 अजूबा की मौत के बाद कालेब
ने एप्रात से विवाह कर लिया। उन्होंने पुत्र हूर
को जन्म दिया। 20 हूर से ऊरी तथा ऊरी से
बसलेले। 21 इसके बाद हेस्त्रोन गिलाद के
पिता माकीर की बेटी के पास गया। साठ
साल की उम्र में उसने उससे विवाह कर
लिया । उन से सगूब पैदा हुआ। 22 सगूब
से याईर पैदा हुआ गिलाद देश में उसके
तेईस नगर थे। 23 गशूर और अराम ने उन
से कनत और उसके गाँवों सहित याईर की
बस्तियों को भी अर्थात साठ नगरों को ले
लिया। ये सभी गिलाद के पिता माकीर के
बेटे थे। 24 और कालेब-एप्राता में हेस्त्रोन के
देहान्त के बाद हेस्त्रोन की पत्नी अबिय्याह
से तको का पिता अशहूर पैदा हुआ। 25 और
हेस्त्रोन के बड़े बेटे यरहमेल के बेटे थे :
बड़ा बेटा राम, फिर बून, ओर्न, ओसेम और
अहिय्याह। 26 और यरह्मेल की एक और
पत्नी थी, जिस का नाम अतारा था। वह

अनाम की माँ थी। 27 यरहमेल के बड़े बेटे
राम के बेटे मांस, यामीन और एकेर थे।
28 शम्मै और यादा ओनाम के पुत्र थे। शम्मै
के बेटे नादाब और अबीशूर थे। 29 अबीशूर
की पत्नी का नाम अबीहैल था। उन से
अहबान और मोलीद उत्पन्न हुए। 30 नादाब
के बेटों का नाम सेलेद और अप्पैम था।
सेलेद के मरने से पहले उसके कोई सन्तान
नहीं हुयी। 31 अप्पैम का बेटा यिशी था।
यिशी का बेटा शेशान था। शेशान का बेटा
अहलै। 32 शम्मै के भाई यादा के पुत्र येतेर
और योनातान थे। येतेर भी निःसन्तान चल
बसा। 33 योनातान के बेटे पेलेत और जाजा
थे। ये ही यरहमेल के वंशज थे। 34 शेशान
के पास कोई बेटा नहीं था। उसके पास
बेटियाँ थीं। उसके पास एक मिस्री नौकर था,
जिस का नाम था यर्हा। 35 अपनी बेटी का
विवाह शेशान ने उस नौकर से करा दिया।
उन से अत्तै पैदा हुआ। 36 अत्तै से नातान,
नातान से जाबाद, 37 जाबाद से एपलाल,
एपलाल से ओबेद 38 ओबेद से येहू, येहू
से अज़र्याह। 39 अज़र्याह से हेलैस, हेलैस
से एलासा 40 एलासा से सिस्मै, सिस्मै से
शल्लूम, 41 शल्लूम से यकम्याह और यकम्याह
से एलीशामा पैदा हुए। 42 यरहमेल के भाई
कालेब के वंशज :उस का बड़ा बेटा मेशा
जिस से जीप उत्पन्न हुआ। उस का पिता
मारेशा, हेब्रोन का पिता था। 43 हेब्रोन के
बेटे कोरह, तप्पूह, रेकेम और शेमा। 44 शेमा
से रहम और रहम से योर्काम उत्पन्न हुआ।
रेकेम ने शम्मै को जन्म दिया। 45 शम्मै का
बेटा माओन था। माओन से बेतसूर का जन्म
हुआ। 46 कालेब की रखैल एपा से हारान,
मोसा और गाज़ेज पैदा हुए। 47 याहदै के
के बेटे रेगेम, योताम, गेशान, पेलेत, एपा
और शापा थे। 48 कालेब की रखैल माका
से शेबेर और तिर्हान उत्पन्न हुए। 49 उस से
मदमन्ना का पिता शाप तथा मकबेना और
गिबा का पिता शबा हुए। कालेब की बेटी
का नाम अकसा था। 50 कालेब के वंश के
ये लोग थे : एप्राता के बड़े बेटे हूर के बेटे
किर्यत्यारीम का पिता शोबाल। 51 बेतलेहेम
का पिता सल्मा और बेतगादेर का पिता
हारेप। 52 किर्यत-यारीम के पिता शोबाल के
वशंज थेः हारोए आधे मानहतवासी, 53 और
किर्यत-यारीम के परिवार अर्थात यित्री, पूती,
शूमाती और मिश्राई। इन से सोराई और
एश्ताओली निकले। 54 सल्मा के वंशज थे
: बेतलेहेम, नतोपाई, अत्रोत -बेत-योआब,
आधे मानहतवासी, सोरी, 55 और याबेस में
रहने वाले शास्त्रियों के घराने अर्थात तिराती,
शिमाती और सूकाती। ये सब रेकाब के घराने
के मूल-पुरुष हम्मत के वंश वाले केनी हैं।

3 हेब्रोन में पैदा होने वाले दाऊद के
बेटे हैं अम्मोन यिज्रेली से अहीनोअम,
दूसरा दानिएल कर्मेली अबीगैल से 2 तीसरा
अबशालोम गशूर के राजा तल्मै की बेटी
माका से, चौथा अदोनिय्याह, हागीत से,
3 पाँचवा शपत्याह अबीतल से, और छठवाँ
यित्रान उसकी पत्नी एग्ला से पैदा हुआ।
4 हेब्रोन में उसके छैः बेटे हुए और वहाँ
उसने साढ़े सात साल राज्य किया। उसने
तैंतीस साल यरूशलेम में राज्य किया।
5 यरूशलेम में उसके जो बेटे हुए वे ये थेः
शिमा, शोबाब, नातान और सुलैमान। ये चारों
अम्मीएल की बेटी बतशेबा से हुए थे। 6 और
यिमार, एलीशामा, एलीपेलेत 7 नोगाह, नेपेग
और यापी 8 एलीशामा, एल्यादा, और
एलीपेलेत-सब मिला कर नौ। 9 इनके
अलावा रखेलियों से भी उसकी सन्तान हुयी।
इनकी बहन तामार थी। 10 सुलैमान के बेटे

रहूबियाम से अबिय्याह पैदा हुआ। उस से
आसा और उस से यहोशापात। 11 उस से
योराम, योराम से अहज्याह और अहज्याह
से योआश। 12 योआश का बेटा अमस्याह
तथा अमस्याह का अजर्याह और उस से
योताम उत्पन्न हुआ। 13 योताम का आहाज़,
आहाज़ का हिजकिय्याह और हिजकिय्याह
से मनश्शे हुआ। 14 मनश्शे का पुत्र था
आमोन तथा आमोन से योशिय्याह हुआ।
15 योशिय्याह के बेटे योहानान, यहोयाकीम,
सिदकिय्याह और शल्लूम थे। 16 यहोयाकीम
का बेटा यकोन्याह और यकोन्याह का
सिदकिय्याह। 17 यकोन्याह का बेटा अस्सीर
और उस से शालतीएल। 18 मल्कीराम,
पदायाह, शेनस्सर, यकम्याह, होशामा और
नदब्याह 19 ज़रूब्बाबेल के बेटे मशुल्लाम
और हनन्याह थे। उनकी बहन शलोमीत
थी। 20 हशूबा, ओहेल, बेरेक्याह हसद्याह
और यूशमेसेद, पाँच। 21 हनन्याह के बेटे
पलत्याह और यशायाह। रपायाह के बेटे
अर्नान के बेटे ओबद्याह के बेटे और
शकन्याह के बेटे। 22 तकन्याह का पुत्र
शमायाह था। शमायाह के हत्तूश और
यगाल, बारीह, नार्याह और शापात थे।
23 नार्याह के बेटे एल्योएने, हिजकिय्याह
और अज़्रीकाम, तीन। 24 एल्योएनै के बेटे
होदब्याह, एल्याशीब, पलायाह, अककूब,
योहानान, दलायाह और अनानी, सात।

4 यहूदा के बेटे पेरेस, हेस्त्रोन, कर्मी, हूर
और शोबाल 2 शोबाल के बेटेः रायाह से
यहत और यहत से अहूमै और लहद पैदा हुए।
3 एताम के पिता के ये बेटे थेः यिज़्रेल, यिश्मा
और यिदबाश, इनकी बहन हस्सलेलपोनी
थी। 4 गदोर का पिता पनूएल और रूशा का
पिता एज़ेर। ये एप्राता के बड़े बेटे हूर की
औलाद हैं, जो बेतलेहेम का पिता हुआ।
5 तको के पिता अशहूर के हेबा और नारा
नाम की दो पत्नियाँ थी। 6 नारा से अहूज्जाम,
हेपेर, तेमनी और हाहशतारी पैदा हुए। 7 हेला
के बेटे सेरेत, यिसहार और ऐलान 8 फिर
कोस से आनूब और सोबेबा पैदा हुए। उसके
वंश में हारून के बेटे अहरहेल के कुल भी पैदा
हुए। 9 अपने सभी भाईयों में याबेस ज़्यादा
माना जाता था। बड़े कष्ट में उसे जन्म देने के
कारण उसकी माँ ने उस का नाम याबेस रखा
था। 10 परमेश्वर से याबेस ने कहा,"अच्छा
होता कि आप मेरा भला करते, देश की
सीमा को बढ़ाते, मुझे बुराई से ऐसे बचाते
कि मुझे तकलीफ़ न होती।" परमेश्वर ने
उसकी सुन भी ली। 11 फिर शूह के भाई
कलूब से एशतोन का पिता माहीर उत्पन्न
हुआ। 12 एशतोन के वंश में बेत-रापा का
कुटुम्ब और पासेह तथा ईर्नाहाश का पिता
तहिन्ना पैदा हुए। 13 कनज के बेटे ओत्नीएल
और सरायाद थे। ओत्नीएल का बेटा हतत
था। 14 मानोतै से ओप्रा और सरायाह से
योआब जो गेहराशीम का पिता था। ये सभी
कारीगर थे। 15 यपुन्ने के बेटे कालेब के बेटे
ईरु, एला और नाम थे और एला का बेटा
कनज था। 16 और यहल्लेल के बेटे, जीप,
जीपा, तीरगा और असरेल। 17 एज़्रा के बेटे
येतेर, मेरेद, एपेर और यालोन और उसकी
पत्नी से निर्य्याम, शम्मै और एशतमो का
पिता यिशबह उत्पन्न हुए। 18 उसकी यहूदिन
पत्नी से गदोर का पिता येरेद, सोको के
पिता हेबेर और जानोह के पिता यकूतीएल
उत्पन्न हुए। ये फ़िरौन की बेटी बित्या के बेटे
थे, मेरेद ने ब्याह लिया था। 19 होदिय्याह
की पत्नी जो नहम की बहन थी, उसके पुत्र
कीला का पिता एक गेरेमी और एशतमो
का पिता माकाई। 20 शीमोन के बेटे अम्मोन,

रिन्ना, बेन्हानान और तोलोन और यिशी के
पुत्र जोहेत और बेनजोहेत। 21 यहूदा के पुत्र
शेला के पुत्र लेका का पिता एर, मारेशा
का पिता लादा और अशबे के परिवार के
कुल जिस में सन के कपड़े बनाए जाते थे।
22 और योकीम और कोर्जबा के लोग और
योआश और साराप जो मोआब में दबदबा
बनाए हुए थे। और याशूब व लेहेम जिन
के बारे में लेखा-जोखा है। 23 ये लोग मिट्टी
के बर्तन बनाया करते थे। यह नताईम और
गदेरा में रहा करते थे। वहीं वे राज का
काम किया करते थे। 24 शिमोन के बेटे
नमूएल, यामीन, यारीब जेरह और शाऊल
थे। 25 शाऊल का बेटा शल्लूम, शल्लूम का
मिबसाम और मिबसाम से मिश्मा। 26 मिश्मा
का बेटा हम्मूएल और उस का बेटा जक्कूर
और उस का बेटा शिमी। 27 शिमी के सोलह
बेटे और छैः बेटियाँ हुयी थीं। उसके भाईयों
के ज़्यादा बेटे न हुए, इसलिए इसलिये
उनका कुल यहूदियों की तरह न बढ़ा। 28 वे
बेर्शेबा, मोलादा, हसर्शूआल। 29 बिल्हा,
एसेम, तोलाद। 30 बतूएल, होर्मा, सिकलग।
31 बेतमर्काबोत, हसर्सूसीम, बेतबिरी और
शारैम में बस गए। दाऊद के राज्य के समय
तक उनके ये ही नगर थे। 32 उनके गाँव
एताम, ऐन, रिम्मोन, तोकेन और आशान
नाम पाँच नगर 33 बाल तक जितने गाँव इन
नगरों के नज़दीक थे, उनके बसने की जगह
यही थी। 34 फिर मशोबाब और यम्लेक और
अमस्याह का बेटा योशा। 35 योएल और
योशिब्याह का बेटा येहू, जो सरायाह का
पोता और असीएल का परपोता था। 36 और
एल्यौएनै, याकोबा, याशोहायाह, असायाह,
अदीएल और यसीमीएल और बनायाह।
37 और शिपी का बेटा जीजा अल्लोन का बेटा
यदायाह का बेटा यह शिम्री का बेटा शमायाह
का पुत्र था। 38 ये जिन लोगों के नाम लिखे
हुए हैं, अपने-अपने कुल में प्रधान थे। उनके
पूर्वजों के घराने बहुत बढ़ गए। 39 अपने
भेड़-बकरियों के लिए चरागाह ढूँढते -ढूँढते
गदोर की घाटी की तराई के पूरब में पहुँच
गए। 40 उन्हें हरी-हरी चराई मिल भी गयी।
देश बड़ा था और उस में चैन-सुकुन भी था।
वहाँ के रहवासी हाम के वंश के थे। 41 यहूदा
के राजा हिजकिय्याह के समय में ऊपर जिन
लोगों के नाम दिए गए हैं, उन्होंने वहाँ आकर
मूनियों को मारा। वे उनकी जगह रहने लगे
क्योंकि वहाँ चरागाह अच्छे थे। 42 इशी के
बेटे पलत्याह, नार्याह, रपायाह और उजीएल
की अगुवाई में पाँच सौ आदमी सेईर पहाड़
पर गए 43 और बचे हुए अमालेकी लोगों को
उन्होंने घात किया।

5 इस्राएल के बड़े बेटे रूबेन की वंशावली
: वह पहलौठा था और उसने अपनी
माँ के साथ व्यभिचार किया था, उसके
पहलौठेपन के हक को इस्राएल के बेटे
यूसुफ़ के बेटों को दे दिया गया। इस वजह से
पहलौठेपन के हक के मुताबिक उस का नाम
वंशावली में नहीं आया। 2 हालांकि यहूदा
अपने भाईयों पर ज़ोरावर हो गया और उसी
से प्रधान निकला फिर भी पहलौठेपन का
हक यूसुफ़ ही का रहा। 3 इस्राएल के बड़े
बेटे रूबेन की वंशावली : हनोक, पल्लू, हेस्रोन
और कर्मी। 4 योएल के बेटे ये थे : शमायाह,
शमायाह का बेटा गोग, गोग का बेटा
शिमी, 5 शिमी बेटा मीका, मीका का रायाह,
रायाह का बाल। 6 बाल का बेटा, जिस
को असीरिया का राजा तिलगतपिलनेसेर
गुलामी में ले गया था। 7 अपने भाई-बन्धुओं
की वंशावली में कुलों के अनुसार उसके
कबीले के ये लोग थेःयोएल फिर ज़कर्याह

8 अजाज का बेटा बेला जो शेमा का पोता
और योएल का परपोता था, वह अरोएर नबो
और बाल्मोन तक रहा करता था। 9 पूरब में
वे फ़रात नदी से लेकर जंगल तक बस गये
थे, क्योंकि गिलाद देश में उनके मवेशियों
की गिनती बहुत बढ़ चुकी थी। 10 शाऊल
के समय में उन्होंने हग्रियों से लड़ाई कर
ली और हग्रियों की जानें भी गयीं ।तब वे
गिलाद के पूर्वी तरफ़ तम्बू डाल कर रहने
लगे। 11 सल्का तक बाशान देश में गादी
लोग रहा करते थे। 12 योएल और शापाम
दूसरा, इसके बाद यानै ये सब बाशान में रहा
करते थे। 13 उनके भाई अपने-अपने पूर्वजों
के कुनबों के अनुसार मीकाएल, मशुल्लाम,
शेबा योरै, याकान, जी और एबेर सात थे।
14 ये अबीहैल के बेटे थे जो हूरी का और
यह योराह का था। और यह गिलाद का, यह
मीकाएल का, यह यशीशै का, यह यहदो का
और यह बूज का 15 इनके पूर्वजों के कुटुम्बों
का खास आदमी अब्दीएल का बेटा और
गूनी को पोता अही था। 16 ये लोग बाशान
में गिलाद और गाँवों में और शारोन के सभी
चरागाहों में उसके दूसरी तरफ़ तक रहते थे।
17 इनकी वंशावली, यहूदा के राजा योताम
के दिनों और इस्राएल के राजा यारोबाम के
दिनों में लिखी गयी। 18 रूबेनियों, गादियों
और मनश्शे के आधे गोत्र के फ़ौजी जो ढाल
बान्धनें, तलवार चलाने और धनुष बाण का
इस्तेमाल करने में माहिर थे, उनकी गिनती
चौवालीस हज़ार सात सौ साठ थी। 19 इन्हों
ने हग्रियों और यतूर नापीश और नोदाब
से युद्ध किया था। 20 उनके खिलाफ़ इनको
मदद मिली और अग्री उन सब सहित, जो
उनके साथ थे, उनके हवाले कर दिए गए,
क्योंकि युद्ध में इन्होंने परमेश्वर को पुकारा
था। परमेश्वर ने उनकी सुन भी ली थी,
क्योंकि उन लोगों ने परमेश्वर पर भरोसा
रखा था। 21 इन्हों ने उनके जानवर जैसे
पचास हज़ार ऊँट, ढाई लाख भेड़-बकरी,
दो हज़ार गदहे और एक लाख इन्सानों को
गुलाम बना लिया था। 22 बहुत से मरे पड़े
थे क्योंकि यह लड़ाई परमेश्वर की ओर
से लड़ी गई थी। 23 फिर मनश्शे के आधे
कबीले की सन्तान उस देश में बस गयी। वे
लोग बाशान से लेकर बाल्हेर्मोन तथा सनीर
और हेर्मोन पहाड़ तक फैल गए। 24 उनके
पूर्वजों के कुटुम्बों के खास-खास आदमी
ये थे : एपेर, यिशी एलीएल, अज्रीएल,
यिर्मयाह, होदव्याह, और यहदीएल। ये लोग
बड़े बहादुर मशहूर और खास लोग थे।
25 उन लोगों ने अपने बुज़ुर्गों के परमेश्वर
से धोखा किया। और उस देश के लोग
जिन को परमेश्वर ने उनके देखते खदेड़
दिया उनके समान देवी-देवताओं को पूजने
लगे। 26 इसलिए इस्राएल के परमेश्वर ने
असीरिया के राजा पूल और असीरिया के
राजा तिलगतपिलनेसेर का मन उभारा। इन
राजाओं ने रूबेनियों, गादियों और मनश्शे के
आधे कबीले के लोगों को गुलाम बना करके
हलह, हाबीर, हारा और गोज़ान नदी के पास
पहुँचा दिया।

6 लेवी के बेटे गेर्शोन, कहात और मरारी
थे। 2 कहात के पुत्र अम्राम, यिसहार,
हेब्रोन और उज्जीएल। 3 अम्राम की पुश्त
हारून, मूसा और मरियम और हारून
के बेटे नादाब, अबीहू, एलीआज़र और
ईतामार। 4 एलीआज़र से पीनहास, पीनहास
से अबीशू 5 अबीशू से बुक्की, बुक्की से उज्जी।
6 उज्जी से जरह्याह, जरह्याह से मरायोत
7 मरायोत से अमर्याह, अमर्याह से अहीतूब।
8 अहीतूब से सादोक, सादोक से अहीमास।

9 अहीमास से अजर्याह, अजर्याह से
योहानान 10 योहानान से अजर्याह पैदा हुआ।
11 अजर्याह से अमर्याह, अमर्याह से यहीतूब
12 यहीतूब से सादोक, सादोक से शल्लूम
13 शल्लूम से हिलकिय्याह, हिलकिय्याह से
अजर्याह 14 अजर्याह से सरायाह, सरायाह से
यहोसादाक। 15 जब परमेश्वर यहूदा और
यरूशलेम को नबूकदनेस्सर के द्वारा गुलामी
में ले गए, तभी यहोसादाक भी गुलाम बना
कर ले जाया गया। 16 लेवी के बेटे गेर्शोम,
कहात और मरारी 17 गेर्शोम के बेटों के
नाम है लिब्नी और शिमी। 18 कहात के
बेटे अम्राम, यिसहार, हेब्रोन और उज्जीएल
19 और मरारी के बेटे महली तथा मूशी और
अपने-अपने कुटुम्ब के अनुसार लेवियों
के कुल ये थे। 20 अर्थात गेर्शोन का बेटा
लिब्नी, लिब्नी का यहत, यहत का जिम्मा
21 जिम्मा का योआह, योआह का इद्दो,
इद्दो का जेरह, जेरह का यातरै। 22 कहात
का बेटा अम्मीनादाब, अम्मीनादाब का
कोरह, कोरह का अस्सीर 23 अस्सीर
का एल्काना, एल्काना का एब्यासाप
का अस्सीर 24 अस्सीर का तहत, तहत
का ऊरीएल, ऊरीएल का उजिय्याह और
उजिय्याह का बेटा शाऊल 25 फिर एल्काना
के बेटे असासै और अहीमोत। 26 एल्काना
का बेटा सौपै, सौपै का नहत। 27 नहत
का एलीआब, एलीआब का यरोहाम और
यरोहाम का एल्काना 28 शमूएल के बेटे: उस
का बड़ा बेटा योएल और दूसरा अबिय्याह
था। 29 फिर मरारी का बेटा महली, महली
का लिब्नी, लिब्नी का शिमी, शिमा उज्जा।
30 उज्जा का शिमा, शिमा का हग्गिय्याह
और हग्गिय्याह का बेटा असायाह था।
31 याहवे के भवन में गाना गाने के लिए
अलग किए हुए लोग थे। 32 यरूशलेम में
मन्दिर बनने तक वे मिलाप वाले तम्बू
के सामने गीत गाया करते थे। 33 अपने
बेटों के साथ वहाँ पर मौजूद होने वाले
ये थे, कहातियों में से हेमान गवैया, जो
योएल का बेटा था। योएल के पिता का
नाम शमूएल था। 34 शमूएल एल्काना का,
एल्काना यरोहाम का, यरोहाम एलीएल
का पुत्र था, एलीएल तोह का। 35 तोह सूप
का, सूप एल्काना का, एल्काना महत का,
महत अमासै का, 36 अमासै एल्काना का,
एल्काना योएल का, योएल अजर्याह का,
अजर्याह सपन्याह का 37 सपन्याह तहत
का, तहत अस्सीर का, अस्सीर एब्यासाप
का, एब्यासाप कोरह का, 38 कोरह यिसहार
का, यिसहार कहात का, कहात लेवी का,
लेवी इस्राएल का बेटा था। 39 उसके दाहिने
हाथ खड़ा रहने वाला उस का भाई आसाप,
वह बेरेक्याह का पुत्र था और बेरेक्याह
शिमा का। 40 शिमा मीकाएल का, मीकाएल
बासेयाह का, बासेयाह मल्किय्याह का
41 मल्किय्याह एत्नी का, एत्नी जेरह का,
जेरह अदायाह का 42 अदायाह एतान का,
एतान जिम्मा का, जिम्मा शिमी का 43 शिमी
यहत का, यहत गेर्शोम का और गेर्शोम
लेवी का बेटा था। 44 बाईं ओर उसके भाई
मरारी खड़ा हुआ करते थे। एसाव कीशी
का बेटा था, कीशी अब्दी का 45 मल्लूक
हशब्याह का, हशब्याह अमस्याह का,
अमस्याह हिलकिय्याह का 46 हिलकिय्याह
अमसी का, अमसी बानी का, बानी शेकेर
का, 47 शेमेर महली का, महली मूशी का,
मूशी मरारी का और मरारी लेवी का बेटा
था 48 इनके लेवीय भाई भवन में सेवा
किया करते थे। 49 हारून और उसके बेटे
होमबलि की वेदी और धूप की वेदी दोनों
पर कुर्बानी चढ़ाते और परम पवित्र स्थान

का सारा कार्य करते और इस्राएलियों के
लिए प्रायश्चित्त किया करते थे। 50 हारून
के वंश में से एलीआजार, एलीआजार का
पीनहास, पीनहास का अबीशू, 51 अबीशू
का बुक्की, बुक्की का उज्जी का जरह्याह
52 जरह्याह का मरायोत, मरायोत का
अमर्याह, अमर्याह का अहीतूब 53 अहीतूब
का सादोक, सादोक का अहीमास 54 उनके
हिस्सों में उनकी छावनियों के अनुसार
उनकी बस्तियाँ ये थीं। हारून की सन्तान में
से कहातियों के कुनबों के नाम पहली चिट्ठी
निकली थी। 55 तब चारों तरफ़ के चरागाहों
सहित यहूदा देश का हेब्रोन उनको मिला।
56 लेकिन वहाँ के खेत और गाँव यपुन्ने के
बेटे कालेब को मिले। 57 हारून की औलाद
को शरणनगर हेब्रोन और चरागाहों सहित
लिब्ना, 58 और यत्तीर और अपनी अपनी
चरागाहों सहित एशतमो, हीलेन, दबीर
59 आशान और बेतशेमेश 60 बिन्यामीन के
कबीले में से अपनी अपनी चरागाहों सहित
गेबा, अहलेमेत और अनातोत दिए गए।
उनके कुटुम्ब के सब नगर मिला कर तेरह
थे। 61 बाकी बचे कहातियों के कबीले के
कुल अर्थात मनश्शे के आधे कबीले में से
चिट्ठी डाल कर दस नगर दिए। 62 गेर्शोमियों
के कुलों के मुताबिक उन्हें इस्साकार,
आशेर और नप्ताली के कबीले और बाशान
में रहने वाले मनश्शे के गोत्र में से तेरह
नगर मिले। 63 मरारियों के कुलों के अनुसार
उन्हें रूबेन, गाद और जबूलून के गोत्र में
से चिट्ठी डाल कर बारह नगर दिए गए।
64 इस्राएलियों ने लेवियों को चरागाह समेत
ये नगर दिए। 65 उन लोगों ने यहूदियों,
शिमोनियों और बिन्यामीनियों के कबीलों में
से वे नगर दिए, जिन के नाम अभी ऊपर
दिए गए है। 66 और कहातियों के तमाम
कुलों को उनके हिस्से के नगर एप्रैम के
कबीले में से मिले। 67 उनको अपने अपनी
चराने की ज़मीन के साथ एप्रैम के पहाड़ी
देश का शेकेम जो शरण नगर था, 68 और
गेज़ेर, योकमाम, बेथोरोन, 69 अय्यालोन,
गात्रिम्मोन 70 और मनश्शे के आधे कबीले
में से अपनी हरी ज़मीन समेत आनेर और
बिलाम बाकी कहातियों के कुल को मिले।
71 गेर्शोमियों को मनश्शे के आधे कबीले
के कुलों में से अपनी-अपनी चराने की
जगह के साथ बाशान का गोलान और
अश्तारोत 72 इस्साकार के कबीले में से
अपनी-अपनी चराईयों के साथ केदेश,
दाबरात। 73 रामोत और आनेम 74 आशेर के
कबीले में से अपनी-अपनी चराईयों समेत
माशाल, अब्दोन। 75 हुक्कोक और रहोब।
76 नप्ताली के गोत्र में से अपनी-अपनी
चराईयों सहित गलील का कादेश हम्मोन
और किर्यातैम मिले। 77 बाकी लेवियों जैसे,
मरारियों को जबूलून के कबीले में से अपनी
अपनी चरागाहों के साथ शिम्मोन और
ताबोर। 78 यरीहो के पास की यर्दन नदी के
पूर्व रूबेन के गोत्र में से तो अपनी अपनी
चराईयों समेत जंगल का बेसेर, यहसा।
79 कदेमोत और मेपाता। 80 गाद के गोत्र में
से अपनी अपनी चराई की भूमि के साथ
गिलाद का रामोत महनैम, 81 हेशबोन और
याजेर दिए।

7 इस्साकार के बेटे तोला, पूआ, याशूब
और शिम्रोन थे। 2 तोला के बेटे उज्जी,
रपायाह, यरीएल, यहमै, यिबसामन और
शमूएल थे। ये सभी बहादुर लोग थे। दाऊद
के समय इनकी संख्या बाईस हज़ार छैः सौ
थी। 3 उज्जी का बेटा यिज्रह्याह, यिज्रह्याह
के बेटे नीकाएल, ओबद्याह, योएल और

योशिय्याह पाँच थे। ये सभी खास लोग थे।
4 वंशावली और बापदादों के परिवारों के
अनुसार फ़ौज के दलों के छत्तीस हज़ार
सैनिक थे। 5 उनके भाई जो इस्साकार के
सभी कुलों में से थे, सत्तासी हज़ार ताकतवर
आदमी थे। 6 बेला, बेकेर और यदोएल
बिन्यामीन के बेटे थे। 7 बेला के बेटे एसबोन,
उज्जी, उज्जीएल, यरीमोत और ईरी ये पाँच
थे। ये अपने-अपने बुज़ुर्गो के परिवारों के
खास लोग होने के साथ बहादुर थे। संख्या में
ये लोग बाईस हज़ार चौंतीस थे। 8 बेकेर के
बेटे : ज़मीरा, योआश, एलीएज़ेर, एल्योएनै,
ओम्री, यरेमोत, अबिय्याह, अनातोत और
आलेमेत थे। 9 ये शक्तिशाली लोग गिनती
में बीस हज़ार दो सौ थे। 10 यदीएल का
बेटा बिल्हान था और बिल्हान के बेटे यूश,
बिन्यामीन, एहूद, कनाना, जेतान, तर्शीश
और अहीशार थे। 11 यदीएल की सन्तान
काफ़ी वीर थी। इन्हीं में से फ़ौज में सत्रह
हज़ार दो सौ आदमी थे। 12 ईर के बेटे शुप्पीम
और हुप्पीम और अहेर के बेटे हूशी थे।
13 नप्ताली के बेटे, एहसीएल, गूनी येसेर और
शल्लूम थे, ये बिल्हा के पोते थे। 14 मनश्शे
का बेटा, अस्त्रीएल जो उसकी अरामी रखैल
स्त्री से पैदा हुआ था। उस अरामी महिला
से गिलाद का पिता माकीर भी पैदा हुआ
था। 15 माकीर ने हुप्पीम और शुप्पीम वंश
से एक लड़की ब्याह ली। इसकी बहन का
नाम माका था। दूसरे का नाम सलोफ़ाद था,
जिस के बेटियाँ थी। 16 माकीर की पत्नी
माका के एक पुत्र हुआ, जिस का नाम पेरेश
रखा गया। उसके भाई का नाम शेरेश था।
इसके बेटों का नाम अलाम और राकेम
था। 17 ऊलाम के पुत्र का नाम बदान था।
ये गिलाद की औलाद थे जो माकीर का
बेटा और मनश्शे का पोता था। 18 उसकी
बहन ने हम्मोलेकेत नेईशहोद, अबीएज़ेर
और महला को जन्म दिया। 19 और शमीदा
के पुत्र अह्यान, शेकेम, लिखी और अनीआम
थे। 20 एप्रैम के बेटे शूतेलह और शूतेलह
का बेरेद, बेरेद का तहत, तहत का एलादा,
एलादा का तहत। 21 तहत का जाबाद और
जाबाद का बेटा शूतेलह था। गत के लोगों
ने येजेर और एलादा को मार डाला था,
क्योंकि वे उनके जानवर चुराना माँग रहे
थे। 22 इसलिए उनका पिता बहुत दिन तक
उनके लिए रोता रहा और उसके भाई उसे
शान्ति देने आए। 23 एप्रैम के एक और पुत्र
हुआ, जिस का नाम बेरिआ इसलिए रखा
गया क्योंकि उसके परिवार में मुसीबत आई
थी। 24 उसकी बेटी का नाम शेरा था, जिसने
बेत-होरोन नाम के नगरों और उज्जेनशेरा को
बनाया था। 25 रेपा और रेपेश उसके बेटे थे।
रेपेश का बेटा तेलह, तेलह का तहन, 26 तहन
का लादान लादान का अम्मीहूद, अम्मीहूद
का एलीशामा, 27 एलीशामा का नून और नून
का बेटा यहोशू था। 28 उसकी अपनी ज़मीन
और बस्तियाँ, गाँवों सहित बेतेल और पूरब
की ओर नारान और पश्चिम की ओर गाँवों
सहित गेज़ेर फिर गाँवों सहित शेकेम और
गाँवों सहित अज्जा थीं। 29 और मनश्शेइयों
की सीमा के पास अपने-अपने गाँवों सहित
बेतशान, तानाक, मगिद्दो और दोर। इन में
इस्राएल के बेटे यूसुफ़ की सन्तान के लोग
रहते थे। 30 आशेर के बेटे, यिम्ना, यिश्वा,
यिश्वी और बरीआ, और उनकी बहन सेरह
हुई। 31 बरीआ के बेटे हेबेर और मल्कीएल
थे। मल्कीएल बिर्जोत का पिता था। 32 हेबेर
से यपलेत, शोमेर, होताम और उनकी बहन
शूआ हुई। 33 यपलेत के बेटे पासक, बिम्हाल
और अश्वात थे। 34 शेमेर के बेटे अही, रोहगा,
यहुब्बा और अराम थे। 35 उसके भाई हेलेम

के बेटे सोपह, यिम्ना, शेलेश और आमाल
थे। 36 सोपह के बेटे सूह, हर्नेपेर, शूआल,
वेरी, इम्रा। 37 बेसेर, होद, शम्मा, शिलसा,
मित्रान और बेरा थे। 38 और येतेर के बेटे
यपुन्ने, रिस्पा और अरा। 39 और उल्ला के
बेटे आरह, हन्नीएल और रिस्पा। 40 ये सभी
आशेर के वंश में हुए। ये अपने-अपने बुज़ुर्गो
के घरानों में खास आदमी और बड़े-बड़े
बहादुर लोग थे। फ़ौज में काम करने के
लिए जब इनकी गिनती की गयी, तो छब्बीस
हज़ार निकली।

8 बिन्यामीन से उस का बड़ा बेटा बेला,
दूसरा अशबेल, तीसरा अहरा 2 चौथा
नोहा और पाँचवा रापा था। 3 बेला के बेटे
अद्दार, गेरा, अबीहूद 4 अबीशू, नामान,
अहोह, 5 गेरा, शपूपान और हूराम 6 एहूद
के बेटे: ये गेबा मे रहने वालो के पूर्वजों के
मुखियों 7 नामान, अहिय्याह और गेरा को
भी गुलाम बना कर ले जाया गया था। गेरा
से उज्जा और अहिलूद पैदा हुए 8 शहरैन से
हशीम और बारा नामक पत्नियों को छोड़
देने के बाद मोआब देश में सन्तान हुयी।
9 उसकी अपनी पत्नी होदेश से योआब,
सिब्या, मेशा, मल्काम, यूस, सोक्या,
10 और मिर्मा पैदा हुए। उसके ये बेटे
अपने बुज़ुर्गो के कुनबों में खास अहमियत
रखते थे। 11 और हूशीम से अबीतूब और
एल्पाल पैदा हुए। 12 एल्पाल के बेटे एबेर,
मिशाम और शेमेर ने ओनो और गाँवों
सहित लोद को बसाया था। 13 बरीआ
और शेमा अय्यालोन के रहने वालों के
बापदादों के परिवारों में खास लोग थे।
उन्हीं ने गत के लोगों को खदेड़ दिया था।
14 अह्यो, शासक यरमोत। 15 जबद्याह,
अराद, एदेर। 16 मीकाएल, यिस्पा, योहा जो
बरीआ के बेटे थे। 17 जबद्याह, मशुल्लाम,
हिजकी, हेबर 18 यिशमरै, यिजलीआ,
योबाब, एल्पाल के बेटे थे। 19 और याकीम,
जिक्री, जब्दी। 20 एलएनै, सिल्लतै, एलीएल
21 अदायाह, बरायाह और शिम्रात जो शिमी
के बेटे थे। 22 यिशपान, यबेर, एलीएल।
23 अब्दोन, जिक्री, हानान 24 हनन्याह,
एलाम, अन्तोतिय्याह 25 यिपदयाह,
पनूएल जो शासक के बेटे थे। 26 और
शमशरै, शहर्याह, अतल्याह। 27 योरेश्याह,
एलिय्याह तथा जिक्री जो यरोहाम के बेटे
थे। 28 ये लोग अपने अपने समयों के
अपने-अपने बापदादों के परिवारों में मुख्य
और सम्मानीय थे। 29 गिबोन के पिता की
पत्नी माका थी। वे लोग गिबोन ही में रहा
करते थे। 30 उस का जेठा बेटा अब्दोन
था। उसके बाद शूर, कीश, बाल, नादाब,
31 गदोर, अह्यो और जेकेर हुए। 32 मिकोत
से शिमा पैदा हुआ। ये लोग भी अपने
भाईयों के साथ यरूशलेम ही में रहा करते
थे। 33 नेर से कीश का जन्म हुआ था। कीश
से शाऊल, शाऊल से योनातान, मलकीश
अबीनादाब और एशबान हुए। 34 योनातान
का बेटा मरीब्बाल हुआ और मरीब्बाल
से मीका 35 मीका के बेटे पीतोन, मेलेक,
तारे और आहाज़ 36 आहाज़ से यहोअद्दा
हुआ। यहोअद्दा से आलेमेत, अजमावेत,
और जिम्री से मोसा 37 मोसा से बिना
और उस से रापा, रापा से एलासा और
एलासा से आसेल। 38 आसेल के छैः बेटे
थेः अज्रीकाम बोकरू, यिश्माएल, शार्याह,
ओबद्याह और हानान। 39 उसके भाई एशेक
के पुत्रः ऊलाम, यूशा और एलीपेलेत थे।
40 ऊलाम के बेटे धनुष-बाण चलाने में तेज

और हिम्मती थी। उनके लगभग डेढ़ सौ
नाती-पोते हुए। ये सभी बिन्यामीन के वंश
के थे।

9 इस तरह सभी इस्राएली अपनी-अपनी
वंशावली के अनुसार, जो इस्राएल
के राजाओं की किताब में हैं, गिने गए।
परमेश्वर के प्रति वफ़ादार न होने के कारण
बाबुल की गुलामी में चले गए। 2 अपनी
ज़मीन पर रहने वालों में पुरोहित[a], लेवीय
और नतीन थे। 3 कुछ एप्रेमी, मनश्शेई, यहूदी
और कुछ बिन्यामीनी यरूशलेम में रहा करते
थे। 4 यहूदा के बेटे पेरेस के वंश में से
अम्मीहूद का बेटा ऊतै, जो ओम्री का बेटा
था और इम्री का पोता और बानी का परपोता
था। 5 शीलोईयों में से उस का बड़ा बेटा
असायाह और उसके बेटे 6 जेरह के वंश
में से यूएल तथा भाई मिला कर छैः सौ
नब्बे हो गए। 7 बिन्यामीन के वंश में से सल्लू,
मशुल्लाम का बेटा, होदब्याह का पोता और
हस्सनूआ का परपोता था। 8 यिबनाय्याह,
यरोहाम का बेटा था और एला उज्जी का पुत्र
तथा मिक्री का पोता था। मशुल्लाम शपत्याह
का बेटा, रूएल का पोता और यिबनाय्याह
का परपोता था। 9 अपनी-अपनी वंशावली
के हिसाब से इन के भाईयों की गिनती नौ
सौ छप्पन थी। आदमी लोग अपने पूर्वजों
के परिवारों के अनुसार पितरों के घरानों
में मुख्य थे। 10 पुरोहितों में से यदायाह,
यहोयारीब और याकीन 11 और अजर्याह
परमेश्वर के भवन का मुखिया हिलकिय्याह
का बेटा था। यह मशुल्लाम का बेटा, यह
सादोक का बेटा, यह मरायोत का बेटा,
यह अहीतूब का बेटा था। 12 अदायाह जो
यरोहाम का बेटा था। यह पशहूर का बेटा,
यह मल्किय्याह का बेटा, यह मासै का बेटा,
यह अदोएल का बेटा, यह मशुल्लाम का बेटा,
यह मशील्लीत का बेटा, यह इम्मेर का बेटा
था। 13 सत्रह सौ साठ खास आदमी थे जो
इनके भाई थे। परमेश्वर के भवन की सेवा
में वे बहुत अच्छे थे। 14 लेवियों के वंश
में से मरारी के वंश में से हश्शूब का बेटा
शमायाह, अज्रीकाम का पोता और हशब्याह
का परपोता था। 15 बकबक्कर, हेरेश और
गालाल और आसाप के वंश में से मतन्याह
था जो मीका का बेटा और जिक्री का
पोता था। 16 शमायाह का बेटा, गालाल का
पौत्र और यदूतून का परपोता ओबद्याह था।
आसा का बेटा बेरेक्याह, एल्काना का पौत्र
नेतोपाईयों के गाँवों में रहा करता था। 17 द्वार
सुरक्षा कर्मी शल्लूम, अककूब, तल्मोन और
अहीमान थे। इनमें मुख्य शल्लूम था। 18 राजा
के फ़ाटक के पूरब की ओर तक चौकीदारी
किया करता था। ये ही लोग लेवियों की
छावनी के द्वारपाल थे। 19 शल्लूम कोरे का
बेटा, एब्यासाप का पोता और कोरह का
परपोता था। उसके भाई उसके मूल-पुरुष
के घराने के अर्थात कोरही थे। वे तम्बू की
देख-रेख के लिये थे। उनके पूर्वज याहवे
की छावनी की देख-रेख के लिए अधिकारी
बनाए गए। 20 बाद में एलीआज़र का बेटा
पीनहास उनका मुखिया था। 21 मशेलेम्याह
का बेटा ज़कर्याह मिलाप वाले तम्बू का
चौकीदार था। 22 ये सभी चौकीदारी के लिए
चुने गए थे, इनकी गिनती दो सौ बारह थी।
जिन के पूर्वजों को दाऊद और शमूएल नबी
ने ईमानदार जान कर नियुक्त किया था, वह
अपने-अपने गाँव में अपनी-अपनी वंशावली
के अनुसार गिने गए। 23 वे और उनका वंश
याहवे के भवन में फ़ाटकों का अधिकार

[a] **9.2** याजक

बारी-बारी रखते थे। 24 चारों दिशाओं में ये
देख-रेख कर्मी नज़र रखते थे। 25 गाँवों में
रहने वाले उनके भाई लोग सात-सात दिन के
लिए उनका साथ दिया करते थे। 26 ईमानदार
लेवीय लोगों को परमेश्वर के भवन के
कमरों और भण्डारों का अधिकारी ठहराया
गया था। 27 दिन रात वे पहरा दिया करते
थे। वे ही प्रातः काल उसे खोला करते थे।
28 उनमें से कुछ आराधना के बर्तनों का
ख्याल रखते थे। इन्हें लाने ले जाने में गिना
जाता था। 29 कुछ को बर्तनों, मैदे, दाखमधु,
तेल, लोबान, और खुशबूदार पदार्थों की
ज़िम्मेदारी दी गयी। 30 पुरोहितों के बेटों में
से कुछ खुशबूदार चीजों के बनाने में मदद
करते थे। 31 मतित्याह नाम एक लेवी, कोरही
शल्लूम का बड़ा बेटा था। उसे तवों पर
बनाई चीज़ों की ज़िम्मेदारी मिली। 32 और
कहातियों में से कुछ भेंट वाली रोटी के
लिए ज़िम्मेदार थे, ताकि विश्रामदिन के लिए
काम आए। 33 गवैयों का काम भी खास था,
वे रात दिन व्यस्त थे। 34 अपनी पीढ़ियों
में लेवियों के कुटुम्ब में ये विशेष लोग थे
और यरूशलेम में रहते थे। 35 गिबोन का
पिता, गिबोन ही में रहता था। उसकी पत्नी
माका थी। 36 उस का बड़ा बेटा अब्दोन था,
उसके बाद सूर, कीश, बाल, नेर, नादाब,
37 गदोर, अह्यो, ज़कर्याह और मिल्कोत।
38 मिल्कोत से शिमाम पैदा हुआ। ये लोग
अपने भाईयों के साथ यरूशलेम में रहा
करते थे। 39 नेर से कीश, कीश से शाऊल,
शाऊल से योनातान, मल्कीशु, अबीनादाब
और एशबाल उत्पन्न हुए। 40 योनातान का
बेटा मरीब्बाल था और मरीब्बाल का मीका
41 मीका, पीतोन, मेलेक, तहे और अहाज
का पिता था। 42 अहाज से यारा और यारा से
आलेमेत, अजमावेत से जिम्री और जिम्री से
मोसा। 43 मोसा से बिना पैदा हुआ और बिना
से रपायाह, रपायाह से एलासा, एलासा से
आसेल। 44 आसेल से छैः बेटे थे, अज्रीकाम,
बोकस, यिश्माएल, शार्याह, ओबद्याह और
हनान। ये आसेल के बेटे थे।

10 पलिश्तियों और इस्राएलियों में युद्ध
छिड़ गया, लेकिन इस्राएली भागे
जाने के बावजूद गिलबो पहाड़ पर मारे
गए। 2 पलिश्ती शाऊल और उसके बेटों के
पीछे पड़ गए। वे योनातान, अबीनादाब और
मल्कीशू को मारने में सफल भी हो गए।
3 शाऊल के साथ पलिश्ती उलझे रहे और
कुशल धनुष-बाण चलाने वालों का शिकार
हो गया। 4 तभी शाऊल अपने हथियार उठाने
वाले से बोल उठा, “मुझे तलवार से मार
डालो, इस से पहले कि याहवे को न मानने
वाले आएँ और मुझ पर हमला करें।” लेकिन
उसके ऐसा करने से इन्कार किए जाने पर
वह स्वयं अपनी तलवार खड़ी करके, उस
पर गिर पड़ा। 5 यह देखते ही हथियार उठाने
वाले ने भी आत्महत्या कर ली। 6 इस तरह
शाऊल, उसके बेटे और परिवार के लोग
एक साथ ही चल बसे। 7 यह सब देख कर
वहाँ के इस्राएली डर से अपने घर छोड़
भाग गए। पलिश्तियों ने आकर वहाँ रहना
शुरू कर दिया। 8 दूसरे दिन जब पलिश्ती
मारे गए लोगों के सामान को लूटने आए,
तब उन्हें शाऊल और उसके बेटों के शव
गिलबो पहाड़ पर मिले। 9 तब उन्होंने उसके
कपड़े उतारे। उस का सिर और अस्त्र-शस्त्र
लेकर पलिश्तियों के इलाकों में भेजा। यह
उनके देवताओं और आम जनता को बताने
के लिए था। 10 उसके हथियारों को उन लोगों
ने देवालय में रखा। उसके सिर को दागोन के
मन्दिर में लटका दिया। 11 गिलाद के याबेश

के लोगों को यह सब मालूम पड़ गया। 12 तब
शाऊल और उसके बेटों के शवों को याबेश
में लाया गया। उनकी हड्डियों को एक बांझ
पेड़ के नीचे दफ़नाया गया वे लोग सात दिन
तक शोक मनाते रहे। 13 शाऊल की मौत की
वजह थी, परमेश्वर के साथ विश्वासघात।
याहवे की आज्ञा के खिलाफ़ उसने भूत-प्रेत
से सम्बन्ध रखने वाली से सलाह-मशविरा
किया था। 14 क्योंकि उसने याहवे से पूछा
नहीं था, उन्होंने उसे मार डाला और राज्य
यिशै के बेटे दाऊद को दे दिया।

11 तब इस्राएल के लोग हेब्रोन में दाऊद
के पास आए और बोले, ‘‘ हम सभी
एक हैं।” 2 पिछले दिनों में जब शाऊल राज्य
कर रहा था, तब भी इस्राएलियों की अगुवाई
आप ही कर रहे थे। आप ही को परमेश्वर
की प्रजा की चरवाही का काम सौंपा गया
था” 3 इसलिए सभी बुर्ज़ुग हेब्रोन में राजा के
पास आए। दाऊद ने उनके साथ परमेश्वर
के सामने करार किया। उन लोगों ने याहवे
के वचन के मुताबिक दाऊद को इस्राएल
का राजा होने के लिए अभिषेक किया।
4 इस्राएलियों के साथ ही दाऊद यरूशलेम
गया। 5 वहाँ के रहने वाले बोले, “तुम यहाँ
नहीं आ सकोगे।” फिर भी दाऊद ने सिय्योन
नामक किले को ले लिया। इसे ही दाऊदपुर
कहते हैं। 6 दाऊद ने कहा,” सब से पहले
जो व्यक्ति यबूसियों को मारेगा, उसे ही
सेनापति बनाया जाएगा” तब सरूयाह का
बेटा योआब सफ़ल हो गया और सेनापति
बन गया। 7 इसलिए कि दाऊद वहाँ रहने
लगा, उस का नाम दाऊदपुर हो गया। 8 नगर
के चारों ओर उसने दीवार बनवाई। योआब
ने खंडहरों को आबाद किया। 9 दाऊद मशहूर
होता गया और परमेश्वर उसके पक्ष में थे।
10 इस्राएल के बारे में याहवे ने जो कुछ कहा
था, उसके अनुसार दाऊद के जिन बहादुर
लोगों ने सभी इस्राएलियों सहित उसके राज्य
में उसके पक्ष में होकर उसे राजा बनाने
पर ज़ोर दिया, उनमें से खास लोग ये हैं
11 हक्मोनी का बेटा याशोबाम जो तीस में
मुख्य था। वह ऐसा व्यक्ति था, जिस ने भाले
से एक समय में तीन सौ लोगों को मार
गिराया था। 12 उसके बाद अहोही दीदो का
बेटा एलीआज़र जो तीनों मशहूर बहादुरों में
एक था। 13 वह दाऊद के साथ उस समय
था, जब पलिश्ती वहाँ लड़ने के लिए इकट्ठा
हुए थे और दाऊद के लोग डर कर भाग
गए थे। 14 वहीं जौ का एक खेत था। उसी
समय उन लोगों ने खेत में खड़े होकर रक्षा
की और पलिश्तियों को मारा। 15 उन तीस
जनों में से तीन गुफ़ा में गए थे। जब कि उस
समय पलिश्ती छावनी डाले पड़े थे। 16 उस
समय दाऊद महल में था और बेतलेहेम में
पलिश्तियों की एक चौकी थी। 17 तब दाऊद
बोल उठा, “मुझे कौन बेतलेहेम के फ़ाटक
के पास कुएँ का पानी पिला सकता है?”
18 वे तीनों आदमियों ने पलिश्तियों पर हमला
बोल दिया और पानी भर कर ले आए।
19 उसने कहा,“परमेश्वर मुझ से ऐसा न हो
कि जिन्होंने पानी लाने के लिए अपने जान
की बाज़ी लगा दी, उन्हें किसी तरह का
नुकसान हो। इसलिए दाऊद ने वह पानी पीने
से इन्कार कर दिया। इन तीन बहादुरों ने यही
काम किए। 20 योआब का भाई अबीशै, उन
तीनों में खास था। अपना भाला चला कर
उसने तीन सौ लोगों को मौत के घाट उतारा
था। इसलिए उस का नाम मशहूर हो गया था।
21 दूसरे दर्जे के तीनों में वही नामी था, वही
उनका मुखिया हो गया, लेकिन खास तीनों
के पद पर नहीं पहुँचा। 22 यहोयादा के बेटे

का नाम बनायाह था। यह कबजेल के एक
बहादुर का बेटा था। उसने बड़े-बड़े काम
किये थे। उसने शेर की तरह दो मोआबियों
को मार गिराया था। बर्फ़ के मौसम में उसने
एक गड्ढे में उतर कर एक शेर को भी ढेर
कर दिया था। 23 एक पाँच हाथ लम्बे मिस्री
को भी उसने मार डाला था। बनायाह ने
उसके भाले को छीन कर उसे खत्म कर
दिया था। 24 इस तरह के वीरता के कामों
से बनायाह का नाम हो गया। 25 वह तीसों
में सब से ज़्यादा माना जाता था, लेकिन उन
तीनों के औहदे पर वह नहीं पहुँचा। अपनी
सभा में दाऊद ने उसे एक सदस्य बनाया।
26 दलों के बहादुर लोग ये थे : योआब
का भाई असाहेल, बेतलेहमी दोदो का बेटा
एल्हानान। 27 हरोरी, शम्मोत, पलोनी, हेलैस
28 तकोई इक्केश का बेटा ईरा, अनातोती
अबीएज़र 29 सिब्बकै होसाती, अहोही ईलै।
30 महरै नतोपाई एक और नतोपाई बाना
का बेटा हेलेद। 31 बिन्यामीनियों के गिबा
नगरवासी रीबै का बेटा इतै, पिरातोनी
बनायाह। 32 गाश के नालों के पास रहने
वाला हूरै, अराबावासी अबीएल। 33 बहुरीमी
अजमावेत, शल्बोनी एल्यहबा। 34 गीज़ोई
हाशेम के बेटे, हरारी शागे का बेटा योनातान।
35 हरारी सकार का बेटा अहीआ, ऊर का
बेटा एलीपाल। 36 मकेराई, हेपेर, पलोनी,
अहिय्याह 37 कर्मेली, हेस्त्रो, एज्बै का बेटा
नारै। 38 नातान का भाई योएल, अग्री का बेटा
मिभार। 39 अम्मोनी सेलेक, बेरोती, नहरै जो
सरूयाह के बेटे योआब का हथियार उठाया
करता था। 40 येतुम्हारी ईरा और गारेब।
41 हित्ती उरिय्याह अहलै का बेटा जाबाद।
42 तीस आदमियों सहित रूबेनी शीजा का
बेटा अदीना जो रूबेनियों का मुखिया था।
43 माका का बेटा हनान, मेतेनी योशापात
44 अश्तोरेती उज्जियय्याह, अरोएरी होताम के
बेटे शामा और यीएल। 45 शिम्री का बेटा
यदीएल और उस का भाई तीसी, योहा।
46 महवी एलीएल, एलनाम के बेटे यरीबै
और योशव्याह, 47 मोआबी यित्मा, एलीएल,
ओबेद और मसोबाई यासीएल।

12 कीश के बेटे शाऊल के डर से
दाऊद सिकलग में छिपा रहता था।
तभी उसके पास ये लोग वहाँ आए। ये
उन बहादुर लोगों में से थे जो युद्ध में
उसके मददगार थे। 2 ये लोग धनुष-बाण
में माहिर थे। गोफ़न से भी ये पत्थर चला
सकते थे। ये लोग शाऊल के भाईयों में
से बिन्यामीनी थे। 3 खास तो अहीएज़ेर
और योआज़ था। वे गिबासावी शमाआ
के बेटे थे। अजमावेत के बेटे यजीएल
और पेलेत, फिर बराका और अनातोती
येहू। 4 गिबोनी यिशमायाह जो तीसों में से
बहादुर और उनके ऊपर था। फिर यिर्मयाह,
यहज़ीएल, योहानान, गदेरावासी योजाबाद।
5 एलूजै, यरीमोत, बाल्याह, शमर्याह, हारूपी
शपत्याह। 6 एल्काना, यिशिय्याह, अजरेल,
योएज़ेर, याशोबाम। ये सभी कोरह के वंश
के थे। 7 साथ ही गदोर के रहने वाले यरोहाम
के बेटे योएला और जबद्याह। 8 जब दाऊद
जंगल में रहा करता था, तब ये बहादुर गादी
भाला चलाने और युद्ध में लड़ने में माहिर थे।
इनके चेहरे शेर की तरह थे और ये हिरन की
तरह दौड़ते थे। ये लोग उसके पास आए।
9 एज़ेर, ओबद्याह, एलीआब 10 मिश्मन्ना,
यिर्मयाह। 11 अतै, एलीएल। 12 योहानान,
एलजाबाद 13 यिर्मयाह और मकबन्नै 14 ये
गादी लोग खास फ़ौज के योग्य थे। इनमें सब
से छोटा एक सौ के ऊपर, और सब से बड़ा
हज़ार के ऊपर था। 15 ये वही लोग हैं जो

पहले महीने में जब यरदन नदी अपने तट के
बाहर बहा करती थी, तब उसके पार उतरे
थे। इन्होंने पूरब ओर पश्चिम दोनों ओर के
सभी तराई के निवासियों को खदेड़ दिया।
16 तमाम बिन्यामीन और यहूदी भी दाऊद
के पास किले पर आए। 17 दाऊद उन से
मुलाकात लेने आया और कहा,"यदि तुम
दोस्त की तरह मेरी मदद करने आए हो
तो ठीक है। लेकिन यदि मुझे धोखा देकर
दुश्मन के हाथ पकड़वाने के लिए आए हो,
तो हमारे बुज़ुर्गो के परमेश्वर तुम्हें सज़ा दें।
मैंने कोई बुराई नहीं की है। 18 तभी परमेश्वर
का आत्मा अमासै में आ गया। तीस बहादुरों
में अमासै एक था। वह बोला, "हे दाऊद
यिशै के बेटे, हम तुम्हारे ही हैं। तुम्हारे
लोगों की और तुम्हारी भलाई की कामना
हम करते हैं। तुम्हारे परमेश्वर तुम्हारी मदद
किया करते हैं।" इसलिए दाऊद ने उन्हें
अपने पास रखा और ज़िम्मेदारियाँ भी दे दीं।
19 कुछ मनश्शेई भी उसी समय दाऊद के
पास भागे थे, जब वह पलिश्तियों के साथ
मिल कर, शाऊल से लड़ाई कर रहा था।
उन्होंने दाऊद की कुछ मदद नहीं की थी।
ऐसा इसलिए क्योंकि पलिश्तियों के अगुवों
ने सलाह लेने पर यह कह कर उसे भेजा,
कि वह हमारे सिर कटवाकर अपने मालिक
शाऊल से फिर एक हो जाएगा। 20 जब दाऊद
सिकलग जा रहा था, तभी मनश्शेई उसके
पास भाग आए। अदना, योजाबाद, यदीएल,
मीकाएल, एलीहू और सिल्लतै जो मनश्शे के
हज़ारों के मुखिया थे। 21 इन्हों ने लुटेरों के
खिलाफ़ दाऊद की मदद की थी। वे सभी
बहुत बहादुर थे और इसलिए सेना में बड़े
पद पर रखे गए। 22 दाऊद की मदद करने के
लिए हर दिन लोग उसके पास आते थे। यहाँ
तक कि परमेश्वर की फ़ौज की तरह एक
फ़ौज बन गयी। 23 हथियारों से लैस होकर
लोग लड़ने के लिए हेब्रोन में दाऊद के पास
इसलिए आए कि याहवे के कहने के कारण
शाऊल की गद्दी पर उसे बैठा दें। 24 यहूदा
के वंश में से जो ढाल और भालों से लैस,
लड़ाई के लिए तैयार थे, गिनती में छैः हज़ार
आठ सौ थे। 25 सात हज़ार एक सौ बहादुर
नौजवान शिमोन के वंश के थे। 26 लेवियों
में से चार हज़ार छैः सौ थे। 27 हारून के
परिवार का मुख्य व्यक्ति यहोयादा था।
उसके साथ तीन हज़ार सौ थे। 28 सादोक
नाम का एक बहादुर जवान अपने पिता के
कुटुम्ब के बाईस प्रधानों के साथ आया था।
29 शाऊल के भाई बिन्यामीनियों में से तीन
हज़ार आए थे। इस वक्त तक ज़्यादातर लोगों
का भरोसा शाऊल के परिवार की तरफ़
था। 30 एप्रैमियों में से बीस हज़ार आठ सौ
बड़े -बड़े जवान आए जो अपने बुज़ुर्गो के
परिवारों में मशहूर थे। 31 मनश्शे के आधे
गोत्र में से अठारह हज़ार लोग आए थे। उन्हें
इसीलिए ठहराया गया था कि वे दाऊद को
राजा बनाएँ। 32 समय की जानकारी रखने
वाले इस्साकारी भी थे। उन्हें मालूम था कि
इस्राएल को करना क्या चाहिए। उनके दो
सौ प्रधान थे। उनके सभी भाई उनकी मानते
थे। 33 ज़बूलून में से हथियार चलाने में योग्य
फ़ौजी गिनती में पचास हज़ार थे। 34 नप्ताली
में से एक हज़ार खास और ढाल व भाले
वाले सैंतीस हज़ार थे। 35 दानियों में से अच्छे
लड़ने वाले अट्ठाईस हज़ार छैः सौ सैनिक थे।
36 आशेर कबीले में से चालीस हज़ार योध्दा
थे। 37 यरदन के पार रहने वाले रूबेनी, गादी
और मनश्शे के आधे गोत्र में से हथियार बन्ध
एक लाख बीस हज़ार थे। 38 ये सभी लोग
सच्चे दिल से हेब्रोन इसलिए आए थे, ताकि
दाऊद को राजा बनाएँ। 39 तीन दिन तक

वे सभी वहीं खाना खाते रहे। 40 जो लोग,
इस्साकार, जबूलून और नप्ताली तक रहते
थे, वे भी गदहों, ऊँटो, खच्चरों और बैलों पर
मैदा, अंजीर, तेल आदि खाने की चीजें लाद
कर लाए थे। साथ में भेड़-बकरियाँ भी थीं।
वहाँ बड़ा खुशी का माहौल था।

13 सहस्त्रपतियों, शतपतियों और सभी
प्रधानों से दाऊद ने सलाह-मशविरा
किया। 2 तब दाऊद सभी इस्राएलियों से
बोला, “यदि तुम चाहते हो और यह
परमेश्वर को भी पसन्द है तो इस्राएल
के सभी हिस्सों में अपने संगी साथियों,
पुरोहितों, लेवियों को जो चरागाह वाली
जगहों में रहते हैं, उन्हें यह खबर दो, कि
कि वे भी हमारे साथ मिल जाएँ। 3 फिर
परमेश्वर के बक्से को अपने यहाँ ले आएँगे,
क्योंकि शाऊल के दिनों में हम उसके पास
नहीं जा सके थे।” 4 तब सभी ने ज़ोर से
कहा, कि वे ऐसा करेंगे, क्योंकि यह बात
सभी की निगाह में सही लगी थी। 5 इसलिए
दाऊद मित्र के शीहोर से हमात के दर्रे तक
के सारे इस्राएलियों को एक जगह लाया
ताकि परमेश्वर के बक्से को किर्यत-यारीम
से लाया जा सके। 6 तब दाऊद और सभी
इस्राएली वहाँ गए ताकि करूबों पर विराजने
वाले याहवे परमेश्वर के बक्से को वहाँ से
ला सके। 7 उन लोगों ने इस बक्से को एक
नई गाड़ी पर रखा और अबीनादाब के घर से
निकाल कर लाए। उज्जा और अह्यो गाड़ी
को हाँक रहे थे। 8 दाऊद और पूरे इस्राएली
दिल से गा रहे थे और वीणा, सारंगी, डफ़,
झांझ और तुरहियाँ बजा रहे थे। 9 कीदोन
के खलिहान के पास, बैलों को ठोकर लग
गयी। इसलिए बक्से को संभालने के लिए
उज्जा ने अपना हाथ बढ़ा दिया। 10 एक दम
परमेश्वर का गुस्सा उज्जा पर भड़क उठा
और वह मर गया। ऐसा इसलिए क्योंकि
उसने बक्से को छू लिया था। 11 इस घटना
से दाऊद को नाराज़गी हुई और उसने उस
जगह का नाम पेरेसुज्जा रख दिया। 12 तभी से
दाऊद को यह डर हो गया कि वह परमेश्वर
के बक्से को अपने यहाँ किस तरह लाए।
13 वह उसे दाऊदपुर न लाकर ओबेदेदोम
नाम गती के यहाँ ले गया। 14 तीन महीने तक
वहीं रहा। इस वजह से आबेदेदोम और उस
का खानदान याहवे की भलाईयों को चखता
रहा।

14 सोर के राजा हीराम ने दाऊद के
पास खबर पहुँचायी कि वह उस का
घर[a] बनाने के लिए देवदार की लकड़ी और
करीगर भेजे। 2 दाऊद यह बात मान चुका था,
कि याहवे उसे इस्राएल का राजा बनाएँगे।
3 दाऊद ने यरूशलेम में और पत्नियाँ कर लीं,
जिन से बेटे-बेटियाँ पैदा हुए। 4 उनके नाम
इस तरह है : शम्मू, शोबाब, नातान, सुलैमान
5 यिभार, एलीशू, एलपेलेत 6 नोगह, नेपेग,
यापी, एलीशामा 7 बेह्यादा और एलीपेलेद
8 पलिश्तियों को मालूम पड़ा कि इस्राएल
का राजा होने के लिए दाऊद को ठहराया
गया है। तभी से उन्होंने उस पर हमला करने
की ठान ली। उनका मुकाबला करने के
लिए दाऊद भी निकल पड़ा। 9 पलिश्तियों
ने रपाईम नामक तराई में धावा बोल दिया।
10 तब दाऊद ने परमेश्वर से सवाल किया,
“क्या मैं पलिश्तियों पर हमला करूँ और
क्या आप मुझे जीत दिलाएँगे?” 11 इसलिए
जब वे बालपरासीम आए, दाऊद ने उन्हें
वहीं लताड़ डाला। दाऊद बोल उठा,” पानी

[a] 14.1 मन्दिर

की धारा की तरह परमेश्वर मेरे दुश्मनों
पर टूट पड़े हैं।" इसलिए उस जगह का
नाम बालपरासीम रखा गया। 12 उन लोगों
ने अपनी मूर्तियों को वहीं छोड़ दिया था,
जिन्हें दाऊद के आदेश से जला डाला गया।
13 दूसरी बार फिर पलिश्तियों ने उसी तराई
में हमला किया। 14 दाऊद ने फिर परमेश्वर
से इज़ाज़त मांगी, लेकिन परमेश्वर ने कहा
कि वह तूत के पेड़ों के सामने से छापा मारे।
15 परमेश्वर ने यह भी कहा,"कि जब तूत
के पेड़ों की फुनगियों में से सेना के चलने
की सी आहट तुम्हें सुनाई दे, तब यह जान
लेना कि पलिश्तियों की धुनाई करने के लिए
परमेश्वर तुम्हारे आगे -आगे जा रहे हैं।"
16 परमेश्वर के इस आदेश को दाऊद ने
माना। इसका नतीजा यह हुआ कि गिबोन से
लेकर गेज़ेर तक इस्राएलियों ने पलिश्तियों
को मारा। 17 इसलिए दाऊद सभी देशों में
मशहूर हो गया। याहवे ने सभी देशों के लोगों
के मन में उस का डर समा दिया।

15 दाऊद ने दाऊदपुर में इमारतें
बनवायीं। परमेश्वर के बक्से के
लिए एक जगह तैयार करके एक तम्बू खड़ा
कर दिया। 2 तब दाऊद बोला," लेवियों को
छोड़कर और कोई परमेश्वर का बक्सा न
उठाए। इसलिए कि परमेश्वर ने यह काम
लेवियों को दिया है।" 3 सभी इस्राएलियों
को दाऊद ने यरूशलेम में इकट्ठा किया
ताकि वह बक्सा वहाँ पहुँचाया जाए, जिसे
उसने तैयार किया था। 4 इसलिए दाऊद
ने हारून की सन्तानों और लेवियों को
इकट्ठा किया। 5 कहातियों में से ऊरीएल
नामक प्रधान और उसके एक सौ बीस
भाईयों को 6 मरारियों में से असायाह नामक
प्रधान और उसके दो सौ बीस भाईयों को,
7 गेर्शोमियों में से योएल प्रधान और उसके
एक सौ भाईयों को 8 एलीसापानियों में
से शमायाह नामक प्रधान और उसके दो
सौ भाईयों का 9 हेब्रोनियों में से एलीएल
नाम प्रधान को और उसके अस्सी भाईयों
का 10 उज्जीएलियों में से अम्मीनादाब
नाम प्रधान और उसके एक सौ बारह
भाईयों का, 11 तब दाऊद ने सादोक और
एब्यातार पुरोहितों को, और असायाह,
योएल, शमायाह, एलीएल और अम्मीनादाब
नाम के लेवियों को बुलवाया और कहा,
12 "लेवीय पितरों के कुटुम्बों में तुम लोग
खास हो। इसलिए अपने भाईयों के साथ
मिल कर खुद को अलग करो। यह इसलिए
कि तैयार की हुयी जगह पर तुम परमेश्वर
के बक्से को पहुँचा सको। 13 पहली बार
तुमने इस बात पर ध्यान नहीं रखा था,
इसलिए परमेश्वर को गुस्सा आ गया था।
14 तब पुरोहितों और लेवियों ने अपने आप
को पवित्र किया। 15 फिर लेवियों ने मूसा
द्वारा दी गई हिदायत के हिसाब से डंडों के
बल अपने कन्धों पर उठाया। 16 प्रधान
लेवियों के लिए दाऊद की ओर से आदेश
यह था कि गवैयों को सभी बाजों के साथ
गाने के लिए ठहराएँ। 17 तब लेवियों ने
योएल के बेटे हेमान को, और उसके भाईयों
में से बेरेक्याह के बेटे आसाप को, और
अपने भाई मरारियों में से कूशायाह के
बेटे एतान को अलग किया। 18 उन्हीं के
साथ उन्होंने दूसरे पद के अपने भाईयों
को अर्थात ज़कर्याह, बेन, याजीएल,
शमीरामोत, यहीएल, उन्नी, एलीआब,
बनायाह, मासेयाह, मत्तित्याह, एलीपलेह,
मिकनेयाह, और ओबेदेदोम और पीएल को
जो पहरेदार थे, ठहराया। 19 इस तरह हेमान,
आसाप और एतान नाम के गवैये पीतल

की झाँझ बजा-बजाकर राग चलाने को,
20 ज़कर्याह अजीएल, शमीरामोत, यहीएल,
उन्नी, एलीआब, मासेयाह, और बनायाह,
अलामोत, नाम राग में सारंगी बजाने को,
21 और मत्तित्याह, एलीपलेह, मिकनेयाह,
ओबेदेदोम, यीएल और अजज्याह वीणा
खर्ज में छोड़ने को ठहराए गए। 22 कनन्याह
नाम लेवियों के मुखिया का काम था -
राग उठाने का । वह राग उठाने के बारे
में सिखाया भी करता था। 23 बेरेक्याह
और एल्काना बक्से की पहरेदारी करते
थे। 24 और शबन्याह, योशापात, नतनेल,
अमासै, ज़कर्याह, बनायाह और एलीएज़ेर
नामक पुरोहित परमेश्वर के बक्से के
आगे-आगे तुरहियाँ बजाते हुए चले और
ओबेदेदोम तथा यहिय्याह उसकी रखवाली
किया करते थे। 25 इस्राएली बुज़ुर्ग लोग,
सहस्त्रपति और दाऊद सभी मिल कर
याहवे की वाचा के बक्से को आबेदेदोम
के घर से खुशी के साथ ले आने के लिए
गए। 26 जब परमेश्वर ने लेवियों की मदद
की, जो याहवे की वाचा का बक्सा उठाने
वाले थे तब उन्होंने सात बैल और सात
मेंढ़े कुर्बान किए। 27 दाऊद और याहवे की
वाचा का बक्सा उठाने वाले सभी लेवीय
और गाना गाने वाले और गाने वालों के
साथ राग उठाने वाले का मुखिया कनन्याह
था। ये सभी सन के कपड़े के बागे पहने हुए
थे। दाऊद सन के कपड़े का एपोद पहने
हुए था। 28 इस तरह खुशी से बाजे बजाते,
गाते हुए बक्से को लेकर चल पड़े। 29 जब
दाऊदपुर में बक्सा पहुँचा, तब शाऊल की
बेटी मीकल जो खिड़की में से झाँक रही
थी, दाऊद राजा को नाचते हुए देखा। उसे
देख कर मीकल ने दाऊद को नीची निगाह
से देखा।

16 तब परमेश्वर का बक्सा उस तम्बू
में रखा गया, जिसे दाऊद ने खड़ा
किया था। और होमबलि चढ़ाए गये।
2 उसके बाद उसने लोगों को आशीर्वाद
दिया। 3 हर एक आदमी और औरत का
उसने एक -एक रोटी, एक-एक टुकड़ा गोश्त
और 4 तमाम लेवियों को याहवे के बक्से की
देख-भाल का काम दिया। साथ ही यह कि
वे याहवे परमेश्वर की बड़ाई और धन्यवाद
करें। 5 उन सब का अगुवा आसाप को
बनाया गया। उसके नीचे ज़कर्याह, योएल,
शमीरामोत, यहीएल, मत्तित्याह,एलीआब,
बनायाह, अबोदेदोम और यीएल थे। ये
लोग सारंगी और वीणा बजाते थे। आसाप
झांझ पर राग अलापता था। 6 बनायाह और
यहजीएल नाम के पुरोहित परमेश्वर की
वाचा के बक्से के सामने हर दिन तुरहियाँ
बजाने के लिए रखे गए। 7 उसी दिन दाऊद
ने याहवे को शुक्रगुज़ारी करने का काम
आसाप और उसके भाईयों के सुपुर्द कर
दिया, उसने कहा, 8 “याहवे का आभार मानो
और प्रार्थना भी करो, देश -देश में उनके कामों
के बारे में बताओ। 9 उन्हीं के लिए गीत गाओ
और भजन भी ।उनके द्वारा किए गए अजीब
कामों के ऊपर मनन करो। 10 उनके पवित्र
नाम के बारे में खुशी मनाओ। 11 याहवे और
उनकी ताकत को चाहो, उनकी मौजूदगी
की तमन्ना दिल में रखो। 12 उनके किए हुए
अजीब काम और इन्साफ़ के शब्दों को
याद करो। 13 उनके सेवक इस्राएल के वंश,
हे याकूब की सन्तान तुम्हें , उन्होंने चुना
है। 14 वही हमारे परमेश्वर याहवे हैं, उनके
इन्साफ़ के काम इस दुनिया में देखने को
मिलते हैं। 15 उनकी वाचा को हमेशा याद
रखना। इस पर उन्होंने हज़ार पीढ़ियों के
लिए मोहर लगा दी है। 16 अब्राहम के साथ

वह वाचा परमेश्वर ने बान्धी थी और उसी
के बारे में इसहाक से वायदा किया था।
17 उन्होंने उसी को याकूब के लिए एक प्रथा
करके और इस्राएल के लिए हमेशा की वाचा
बान्ध कर यह कह कर मज़बूती दी, 18 कि
मैं तुम्हें कनान देश दूँगा। वह बाँट में तुम्हारा
अपना हिस्सा होगा। 19 उस समय तुम्हारी
संख्या कम थी और उस देश में तुम परदेशी
थे। 20 वे लोग एक देश से दूसरे में और
एक राज्य से दूसरे राज्य में फिरते रहे।"
21 लेकिन परमेश्वर ने उन पर किसी को भी
अन्धेर करने की इज़ाज़त नहीं दी, लेकिन
उन राजाओं को यह कहते हुए धमकी दी,
22 'मेरे अभिषिक्त[a] को छूना तक नहीं, न
ही मेरे नबियों को किसी तरह का नुक्सान
पहुँचाना।' 23 हे सारी दुनिया के लोगों याहवे
का गीत गाओ। हर दिन उनके किए हुए मुक्ति
के काम का सन्देश सुनाते रहो। 24 दुनिया के
लोगों में उनकी बड़प्पन का, और देश-देश
के लोगों को उनके अजीब कामों के बारे
में बताओ। 25 क्योंकि याहवे महान और
बड़ाई के लायक हैं दूसरे सभी देवताओं
से कहीं ज़्यादा वह आदर के लायक हैं।
26 क्योंकि देश-देश के सभी देवता, मूर्तियाँ
ही हैं, लेकिन आकाश को बनाने वाले याहवे
ही हैं। 27 उनके चारों ओर उनकी मौजूदगी में
बल और खुशी दोनों ही हैं। 28 देश -देश के
कुलों, याहवे की बड़ाई करो। 29 याहवे की
शान और शक्ति को माना करो, 30 हे सारी
दुनिया के लोगो उनके साम्हने थरथराओ।
दुनिया ऐसी अटल है कि वह डगमगाएगी
नहीं 31 आकाश खुश हो पृथ्वी मगन हो।
देश-देश के लोग और जाति जाति के लोग
कहें कि याहवे बादशाह हैं। 32 समुन्दर और
उस में की सभी चीजें गरज उठें। मैदान
और जो कुछ भी उस में है, खुशी मनाए।
33 उसी समय जंगल के पेड़ याहवे के सामने
स्तुति- धन्यवाद करें, क्योंकि वह दुनिया
का इन्साफ़ करने के लिए आएँगे। 34 याहवे
का शुक्र करें, क्योंकि वह अच्छे हैं। उनका
तरस हमेशा बना रहने वाला है।" 35 तुम
बोलो, "हमारे मुक्ति देने वाले परमेश्वर हमें
आज़ादी दीजिए। हमें इकट्ठा करके दूसरे देशों
से छुड़ाईए, ताकि हम आपके अनूठे नाम का
धन्यवाद करें और आपकी बड़ाई करते रहें।
36 शुरूआत ही से अनन्तकाल तक इस्राएल
का परमेश्वर याहवे धन्य हैं।" तब सभी
लोग बोल उठे, "ऐसा ही हो।" 37 तब उसने
वाचा के बक्से के सामने आसाप और उसके
भाईयों को रखा, ताकि हर दिन की ज़रूरत
के मुताबिक वे लोग सेवा का काम किया
करें। 38 यदूतून के बेटों ओबेदेदोम और होसा
को दरवाज़े की पहरेदारी का काम दिया
गया। ओबेदेदोम और अड़सठ भाईयों को
भी वहीं रखा गया। 39 सादोक पुरोहित और
भाई पुरोहितों को याहवे के निवास के सामने
जो गिबोन की ऊँची जगह में था, ठहरा
दिया। 40 ताकि वे हर सुबह और हर शाम को
होमबलि की वेदी पर होमबलि चढ़ाया करें।
यह सब उन्हें याहवे के इच्छा के हिसाब से
करना था। 41 उनके साथ उसने हेमान और
यदूतून और दूसरों को भी चुना था कि वे
भी परमेश्वर की बड़ाई करने में लगे रहें।
42 बजाने वालों के लिए तुरहियाँ और झाँझें
और परमेश्वर के गीत गाने के लिए बाजे
दिये गए और यदूतून के बेटों को फ़ाटक की
रखवाली करने का काम सौंपा गया। 43 इस
तरह प्रजा के सभी लोग अपने-अपने घर चले
गए। दाऊद भी अपने कुटुम्ब को आशीर्वाद
देने के लिए लौट गया।

[a] **16.22** अलग किए हुए

17 अपने घर में रहने के दौरान एक दिन
उसने नातान नबी से कहा,"देखो,
मैं तो देवदार से बनाए गए घर में रह रहा हूँ।
लेकिन याहवे की वाचा का बक्सा तम्बू में ही
है।" 2 तब नातान ने जवाब में कहा,"इसलिए
कि परमेश्वर तुम्हारे साथ में हैं, जो कुछ
तुम करना चाहते हो, करो।" 3,4 उसी रात
परमेश्वर ने नातान को आदेश दिया, "जाकर
मेरे सेवक दाऊद से कहना कि वह मेरे
निवास को बनाने के बारे में न सोचे। 5 मिस्र
से अपने लोगों को गुलामी से छुड़ाने के
बाद आज तक मैं किसी घर में नहीं रहा
हूँ एक तम्बू से दूसरे तम्बू और एक घर से
दूसरे घर में मेरी उपस्थिति रहती रही है।
6 जहाँ-जहाँ पूरे इस्राएल में इस्राएल के न्यायी
मेरे लोगों की देख-रेख करते थे, क्या मैंने
उनमें से किसी से कभी शिकायत की, कि
देवदार की लकड़ी से मेरे लिए घर क्यों नहीं
बनाया? 7 इसलिए जाकर दाऊद से कहना
कि फ़ौजों के परमेश्वर याहवे का कहना
यह है तुम्हें भेड़ों की रखवाली करते रहने
के बजाए,मैंने यह चाहा है कि तुम मेरे लोगों
की निगहबानी करो। 8 तुम जहाँ-जहाँ गए,
मैंने तुम्हारा साथ नहीं छोड़ा। तुम्हारे दुश्मनों
को मैंने तुम्हारे सामने टिकने नहीं दिया। इस
दुनिया के मशहूर लोगों की तरह मैं तुम्हारा
नाम मशहूर कर दूँगा। 9 अपनी प्रजा इस्राएल
को एक ज़मीन दूँगा, कि वह बसे और कोई
बेदखल न कर सके। बुरे लोग उन्हें पीड़ा
नहीं दे पाएँगे। 10 जिस तरह उन्होंने पहले यहाँ
तक कि उस समय से ही जब मैंने आदेश दिया
था, कि मेरे लोगों पर जज ठहराए जाएँ, पीड़ा
पहुँचायी। 11 तुम्हारे मरने के बाद, तुम्हारे वंश
को, तुम्हारी सन्तान ही में से मैं खड़ा करूँगा।
उसके राज्य को मैं मज़बूत करूँगा। 12 वह
मेरे लिए घर बना सकेगा। उस का राजासन
हमेशा बना रहेगा। 13 वह मेरा बेटा होगा। मैं
उस का पिता। जैसे मैंने अपनी कृपा, तुम्हारे
पहले हुओं पर से हटा ली थी, मैं उस पर
से न हटाऊँगा। 14 मैं उसे अपने घर में और
अपने राज्य में हमेशा बना कर रखूँगा। उसकी
गद्दी सदा काल तक बनी रहेगी। 15 इन सभी
बातों को,नातान ने दाऊद से कह दिया।
16 अन्दर जाकर दाऊद बैठ गया और कहने
लगा, "हे परमेश्वर, मैं और मेरा परिवार
क्या था, कि आपने मुझे यहाँ तक बढ़ाया
है। 17 आपकी निगाह में परमेश्वर यह छोटी
बात थी, लेकिन आपने अपने दास के कुटुम्ब
के भविष्य के बारे में बहुत कुछ कहा है।
ऊँचे औहदे वाले इन्सान की तरह आपने
मुझे इज़्ज़त दी है। 18 इस दी गई इज़्ज़त के
लिए मैं क्या कह सकता हूँ। आप तो अपने
दास को जानते ही हैं। 19 हे याहवे, अपनी
ही इच्छा से आपने अपने दास के लिए बड़े
कामों की बात की है। 20 आपकी तरह कोई
नहीं है। हम ने अपने कानों से जो सुना है,
उसके हिसाब से आपके अलावा दूसरा कोई
परमेश्वर नहीं है। 21 सारी दुनिया में इस्राएल
की तरह और कौन लोग हैं? हे परमेश्वर
आपने खुद ही उन्हें आज़ाद किया था, ताकि
उन्हें अपनी प्रजा बनाएँ। मिस्र से छुड़ायी हुई
अपनी प्रजा के देखते देखते दूसरे देशों के
लोगों को भगा दिया। आपने बड़े और अजीब
काम किए। 22 आपने हमेशा के लिए अपने
लोगों को अपनी प्रजा ठहराया है। आप खुद
उनके परमेश्वर हैं। 23 अब हे याहवे, आपने
जो कुछ अपने दास और उसके परिवार के
लिए कहा है, आप वैसा ही करें। 24 आपकी
लोग बड़ाई करें। लोग कहें," फ़ौजों के
परमेश्वर इस्राएल के परमेश्वर हैं। आपकी
कृपा दृष्टि उसके वंश पर बनी रहे, 25 क्योंकि
हे परमेश्वर आपने अपने दास को यह दिखा

दिया है कि उसके वंश को आप बना कर
रखेंगे। इसीलिए मुझे आप से प्रार्थना करने
की हिम्मत हुयी है। 26 अब हे याहवे, आप ही
परमेश्वर हैं आपने भलाई करने का वायदा
अपने दास से किया है। 27 आपको अच्छा
लगा है कि आप अपने दास के परिवार को
आशीष दें, जिस से वह हमेशा तक आपकी
भलाईयों को चखता रहे। आप तो आशीर्वाद
दे चुके हैं, इसलिए इसमें कभी बदलाव नहीं
हो सकता।

18 इसके बाद दाऊद ने पलिश्तियों को
हरा कर उन्हें अपने अधिकार में
कर लिया। गत को दूसरे नगरों के साथ
उसने पलिश्तियों से छीन लिया। 2 मोआबियों
को भी दाऊद से हार का अनुभव हुआ।
मोआबी लोग उसे टॅक्स भी चुकाने लगे।
3 जब सोबा का राजा हदरेजेर फ़रात महानद
तक अपना अधिकार ज़माना चाह रहा था
तभी दाऊद ने उसे हमात के पास हरा दिया।
4 दाऊद ने उससे एक हज़ार रथ, सात हज़ार
घुड़सवार और बीस हज़ार फ़ौजी ले लिए।
उसने रथों के घोड़ों के घुटनों के पीछे की
नस कटवा दी। लेकिन उन में से एक सौ
रथों के लिए घोड़े सुरक्षित रखे। 5 दमिश्क
से सीरिया के लोग सोबा के राजा हदरेजेर
की मदद करने के लिए आए तब दाऊद ने
सीरिया के लोगों में से बाईस हज़ार आदमियों
को मौत के घाट उतार दिया। 6 फिर दाऊद ने
दमिश्क में सीरिया में सिपाहियों की चौकियाँ
बनायीं। और सीरिया के लोग उसके दास
बन गए और टॅक्स देने लगे। जहाँ-जहाँ
दाऊद जाता था, परमेश्वर उसकी मदद
किया करते थे। 7 हदरेज़ेर के कर्मचारियों
की सोने की ढालों को यरूशलेम ले आया
8 हदरेज़ेर के तिमत और कून नाम के नगरों
से दाऊद ढेर सा कांसा ले आया। इसी कांसे
से बाद में सुलैमान ने एक बड़ा हौज़ खम्भे
और कांसे के बर्तन बनवाए थे। 9 हमात
के राजा तोऊ को जब मालूम पड़ा कि
दाऊद ने सोबा के राजा हदरेज़ेर की सारी
फ़ौज को हरा डाला है। 10 तब उसने अपने
बेटे हदोराम को राजा दाऊद के पास उस
का स्वागत करने और बधाई देने के लिए
इसलिए भेजा क्योंकि उसने उसे हरा दिया
था, क्योंकि हदरेज़ेर तोऊ से युद्ध किया
करता था। हदोराम सोने, चाँदी और काँसे
के हर तरह के बर्तन लेकर आया। 11 राजा
दाऊद इन सभी को एदोमियों, मोआबियों,
अम्मोनियों, पलिश्तियों और अमालेकियों से
छीन कर लाया था, परमेश्वर के लिए अलग
किया। 12 इसके अलावा सरूयाह के बेटे
अबीशै ने नमक की तराई में अट्ठारह हज़ार
एदोमियों को हरा दिया था। 13 तब उसने
एदोम में सिपाहियों की चौकियाँ बनायीं।सारे
एदोमियों ने दाऊद के नेतृत्व को मान लिया
जहाँ कही दाऊद गया, परमेश्वर ने उसे जीत
दी। 14 सारे इस्राएल पर दाऊद का शासन
था। वह सब के साथ इन्साफ़ के साथ
पेश आता था। 15 उस समय मुख्य कमाण्डर
सरूयाह का बेटा योआब था। इतिहास का
लिखने वाले अलीहूद का बेटा यहोशापात
था। 16 प्रधान पुरोहित अहीतूब का बेटा
सादोक और एब्यातार का बेटा अबीमेलेक
थे और मन्त्री था शबशा। 17 करेतियों और
पलेतियों का मुखिया यहोयादा का बेटा
बनायाह था। दाऊद के बेटे राजा के पास
मुखिये की तरह थे।

19 अम्मोनियों के राजा नाहाश की मौत
के बाद उस का बेटा गद्दी पर बैठा।
2 तब दाऊद को ख्याल आया कि हानून के

पिता नाहाश ने मुझे से अच्छा बर्ताव किया
था, इसलिए मैं भी करूँगा। तब दाऊद ने
उसके पिता के बारे में उसे शान्ति देने के लिए
लोग भेजे। 3 लेकिन अम्मोनियों के राजकुमार
हानून से जाकर कहने लगे, “दाऊद ने जो
तुम्हें शान्ति देने के लिए लोग भेजे हैं, वह
तुम्हारे हिसाब से तुम्हारे पिता को इज़्ज़त
देने के लिए भेजे गए हैं? क्या वे इसलिए
नहीं आए कि जासूसी करें ? 4 तब हानून ने
दाऊद के कर्मचारियों को पकड़ कर उनके
सिर के बाल मुड़वा दिए। उनके कपड़े कमर
तक कटवा कर उन्हें छोड़ दिया। 5 कुछ
लोगों ने यह खबर दाऊद तक पहुँचा दी,
कि उन लोगों के साथ कैसा बर्ताव किया
गया था, इसलिए कुछ लोगों को उन से
मिलने के लिए भेजा गया। राजा ने सलाह
दी कि वे यरीहो ही में ठहरें और बाद में
आएँ। 6 जब अम्मोनियों ने महसूस किया
कि दाऊद उन्हें घिनौना समझता है, तब
हानून और अम्मोनियों ने एक हज़ार किक्कार
चाँदी,अरम्नहरैम और अरम्माका और सोबा
को भेजी, ताकि रथ और सवार किराए पर
आएँ। 7 इसलिए उन्होंने बत्तीस हज़ार रथ
और माका के राजा और उसकी फ़ौज को
किराए पर बुलाया। इन्होंने आकर मेदबा के
साम्हने तम्बू डाले। अम्मोनी भी अपने-अपने
नगरों से लड़ने आए। 8 यह सुनते ही दाऊद
ने योआब और बहादुर लड़ने वालों की फ़ौज
भेज दी। 9 तब अम्मोनी वहाँ से निकले और
नगर के फ़ाटक के पास इकट्ठा हो गए।
जो राजा आए थे, वे सभी उन से अलग
मैदान में थे। 10 जब योआब ने देखा कि वे
लोग आगे-पीछे घिर चुके हैं, तब बहादुर
इस्राएली सैनिकों को लेकर सीरियाईयों के
खिलाफ़ योजना बनायी। 11 बाकी बचे लोगों
को अपने भाई अबीशै के हाथ सुपुर्द कर
दिया। उन्होंने अम्मोनियों के खिलाफ़ घेरा
बंदी की। 12 उसने कहा,” यदि अरामी मुझ
से जीतने लगेंगे, तो तुम मेरी मदद करना।
यदि अम्मोनी तुम्हारे ऊपर हावी होने लगेंगे
तो तुम्हारी मदद के लिए मैं रहूँगा। 13 तुम
हिम्मत रखो और हम सभी अपने लोगों और
अपने परमेश्वर के नगरों के लिए काम
करें। फिर याहवे को जैसा अच्छा लगे, वह
करें। 14 तब योआब और उसके साथ के
लोग अरामियों से लड़ने उनके सामने आए
और वे उसके देखते देखते भागे। 15 यह
देख कर कि अरामी भाग खड़े हुए, अम्मोनी
भी उसके भाई अबीशै के सामने से भागे
और नगर में घुस गए। तभी योआब वापस
यरूशलेम आ गया। 16 इस्राएलियों की जीत
देख कर अरामियों ने संदेशवाहक महानद के
पास भेज दिए ताकि अरामियों को बुलाए।
उन्होंने हदरेज़ेर के सेनापति शोपक को
अपना प्रधान बना लिया। 17 दाऊद को यह
खबर मिलते ही उसने इस्राएलियों को इकट्ठा
किया। यर्दन नदी पार करके उसने हमला
भी बोल दिया। 18 अरामी भाग खड़े हुए।
दाऊद ने तकरीबन सात हज़ार रथियों और
चालीस हज़ार सिपाहियों को मार डाला।
सेनापति शोपक भी इसी समय खत्म हो
गया। 19 इस्राएलियों को जीतते हुए देखते
हदरेज़ेर के कर्मचारियों ने दाऊद से मेल कर
लिया और उसके अधीन हो गए। इसके बाद
अरामी लोगों ने अम्मोनी लोगों की मदद न
करनी चाही।

20 नए साल की शुरूआत में जब
राजा लोग लड़ाई करने निकलते हैं,
योआब ने बड़ी फ़ौज की मदद से अम्मोनियों
के देश को बर्बाद कर डाला। उसने रब्बा
की घेराबन्दी भी कर दी। उस समय दाऊद

यरूशलेम में ही था, जब योआब ने रब्बा
को ढा दिया। 2 तब दाऊद ने उनके राजा
का ताज उतारा। उसने पाया कि वह किक्कार
भर सोने का बना था। उस में मणि भी थे।
वह ताज दाऊद के सिर पर रखा गया। उसने
और बहुत सी चीजें लूट में हासिल की थीं।
3 उसने उसके रहने वालों को निकाल कर
आरों और लोहे के हेंगों और कुल्हाड़ियों
से कटवाया। अम्मोनियों के सभी नगरों के
साथ दाऊद ने यही बर्ताव किया। तब दाऊद
सब के साथ यरूशलेम वापस चला गया।
4 इसके बाद गेज़ेर में पलिश्तियों के साथ
उस का युद्ध हुआ। उस समय हूशाई सिब्बकै
ने सिप्पे को जो रापा वंश में से था, मार
डाला। 5 एक बार फिर से पलिश्तियों के साथ
जंग हुयी। इस बार याईर के बेटे एल्हानान
ने गती गोलियत के भाई लहमी की जान
ले ली। उसके बर्छे की छड़, जुलाहे की
डण्डी की तरह थी। 6 इसके बाद गत में भी
लड़ाई हुई। वहाँ रापा वंश का बड़े डील-
डौल वाला आदमी था। उसके हाथ- पैर में
छै-छै उँगुलियाँ थीं। 7 उसने इस्राएलियों को
चुनौती दी। तभी दाऊद के भाई शिमा के बेटे
योनातान ने उसे मारा। 8 ये ही गत में रापा से
पैदा हुए थे। वे दाऊद और उसके सेवकों के
ज़रिए मार डाले गए।

21 दाऊद को शैतान ने प्रलोभन में डाला
कि वह इस्राएलियों की गिनती करे।
2 दाऊद ने योआब और प्रजा के गर्वनरों से
कहा,"बेर्शेबा से लेकर दान तक जनगणना
करो। 3 योआब बोला,"याहवे करें कि वे
संख्या में बढ़ जाएँ। लेकिन वे सभी आपके
अधीन ही तो हैं। 4 तब आदेश सुन कर
वह वहाँ से चल पड़ा और पूरे इस्राएल
में घूम कर लौट आया। 5 उसने दाऊद को
पूरी गिनती बतायी। तलवार चलाने में माहिर
लोग ग्यारह लाख थे। यहूदा की ओर से
चार लाख सत्तर हज़ार थे। 6 उसने लेवी और
बिन्यामीन के लोगों को नहीं गिना था क्योंकि
योआब को राजा का आदेश पसन्द नहीं
था। 7 जनगणना करना याहवे को ठीक नहीं
लगा इसलिए उन्होंने इस्राएल को सज़ा दी।
8 दाऊद ने मान लिया कि उसने यह परमेश्वर
की इच्छा के खिलाफ़ काम किया। 9 उसने
माना कि यह बेवकूफ़ी का काम था और
उसे माफ़ किया जाए। 10 तब दाऊद के नबी
गाद से याहवे ने कहा कि दाऊद को बताओ
कि वह तीन सज़ाओं में से एक को चुने
ले। 11 गाद ने दाऊद के पास जाकर बता
दिया। 12 ये तीन बातें ऐसी थीं: तीन साल
का आकाल, तीन महीने तक अपने दुश्मनों
से हारते रहना और या याहवे के दूत द्वारा
तीन दिन महामारी फैलाई जाए। 13 दाऊद
बोला,"मैं तो बड़ी मुसीबत में फँस गया हूँ।
इन्सान के हाथ में पड़ने से बेहतर है कि मैं
याहवे के हाथ में पड़ूँ। वह तरस से भरे हुए
हैं। 14 इसलिए याहवे ने इस्राएलियों के बीच
महामारी भेज दी। इस कारण सत्तर हज़ार
आदमी मर गए। 15 परमेश्वर का दूत जब
यरूशलेम को बर्बाद करने वाला ही था तभी
उन्हें दुख हुआ और उस दूत को रोका। उस
समय वह दूत यबूसी ओर्नान के खलिहान
के पास खड़ा था। 16 तभी दाऊद ने आकाश
और पृथ्वी के बीच उस दूत को खड़े हुए
देखा। उसके हाथ में जो तलवार थी, वह
यरूशलेम के ऊपर बढ़ी हुई थी। तभी सारे
बुज़ुर्ग लोग और दाऊद भी टाट ओढ़े मुँह
के बल गिर पड़े। 17 तभी दाऊद ने परमेश्वर
से कहा,"अपराध मैंने किया है, इन लोगों
का ज़ुर्म क्या है ? हे परमेश्वर आप मेरे
और मेरे परिवार के खिलाफ़ हों तो ठीक है,

लेकिन आपके लोगों के ऊपर यह मुसीबत
न रहे। 18 तब याहवे के दूत ने दाऊद से
यह कहने की आज्ञा दी कि दाऊद चढ़ कर
यबूसी ओर्नान के खलिहान में याहवे के लिए
एक वेदी बनाए। 19 गाद की इस बात के
मुताबिक जो उसने याहवे के नाम से कही
थी, दाऊद चढ़ गया। 20 ओर्नान जब पीछे
मुड़ा तो याहवे के दूत को देखा, तभी उसके
चारों बेटे छिप गए थे। उस समय ओर्नान गेहूँ
दाँवनी कर रहा था, 21 जब दाऊद ओर्नान के
पास आया, ओर्नान खलिहान से बाहर आया
और दाऊद को दण्डवत् किया। 22 दाऊद
ओर्नान से बोला, “खलिहान की इस जगह
को मुझे दे दो, ताकि मैं याहवे के लिए वेदी
बनाऊँ। ताकि प्रजा के बीच जो महामारी है
वह रूक जाए। मैं इसकी कीमत चुका दूँगा।
23 ओर्नान ने दाऊद से कहा, “आप इसे ले
लें, और जैसा चाहें, इस्तेमाल करें। होमबलि
के लिए बैल और लकड़ी के लिए दाँवने के
यंत्र और अन्नबलि के लिए गेहूँ मैं दूँगा।”
24 राजा दाऊद बोला,“नहीं, मैं इसका पूरा
दाम दूँगा। बिना कीमत चुकाए मैं होमबलि
नहीं चढ़ाऊँगा।” 25 तब दाऊद ने छैः सौ
शेकेल सोना तौल कर ओर्नान को दिया।
26 दाऊद ने वहीं वेदी बनाई और होमबलि
तथा मेलबलि चढ़ाई। उसने प्रार्थना की और
ऊपर से आग गिराकर परमेश्वर ने उसे
जवाब दिया। 27 इसके बाद दूत को याहवे
से आदेश मिला कि वह अपनी तलवार को
म्यान में रख ले। दूत ने वैसा किया भी। 28 जब
दाऊद ने देखा कि याहवे ने उसे वहाँ उत्तर
दिया है, तो उसने वहीं पर बलिदान चढ़ाया।
29 उस समय याहवे का तम्बू जिसे मूसा ने
जंगल में बनाया था और होमबलि की वेदी ये
दोनों गिबोन के ऊँचे स्थान पर थे। 30 लेकिन
इसके पहले दाऊद परमेश्वर के पास पूछने
के लिए जा नहीं पाया था, क्योंकि वह याहवे
के दूत से डरा हुआ था।

22 तब दाऊद ने कहा, “यही परमेश्वर
याहवे का भवन है, इस्राएल के
लिए होम बलि की वेदी यही है।” 2 फिर
उसने इस्राएल में जितने भी दूसरे देशों के
लोग थे, उन्हें इकट्ठे होने का आदेश दिया।
साथ ही पत्थरों को गढ़ने के लिए कारीगर
ठहराए। 3 फिर दाऊद ने फ़ाटकों के किवाड़ों
की कीलों और जोड़ों के लिए ढेर सारा
लोहा, पीतल 4 और अनगिनित देवदार के
पेड़ इकट्ठे किए। सीदोन और सोर के लोग
दाऊद के पास देवदार के पेड़ लाए थे।
5 दाऊद बोला, “मेरा बेटा सुलैमान सभ्य
इन्सान है। जो भवन परमेश्वर के लिए
बनाना है उसे मशहूर और खूबसूरत होना
चाहिए। इसलिए मैं तैयारी करूँगा।” दाऊद
ने ऐसा किया भी। 6 फिर अपने बेटे सुलैमान
को बुलाकर आदेश भी दिया। 7 दाऊद अपने
बेटे से बोला,” मेरी आरज़ू तो थी कि याहवे
की आराधना के लिए भवन बनाऊँ, 8 लेकिन
परमेश्वर का यह कहना है ‘’ तुमने बहुत
सी लड़ाईयाँ लड़ी हैं। तुमने बहुत खून भी
बहाया है। इसलिए तुम मेरे लिए भवन नहीं
बना सकोगे।” 9 तुम्हें एक बेटा मिलेगा। वह
शान्त स्वभाव का होगा। उसके शासन काल
दुश्मनों से उसे राहत मिलेगी और इस्राएल
चैन से रहेगा। उस का नाम सुलैमान होगा।
10 वही मेरे नाम का भवन बना सकेगा। वह
मेरा बेटा ठहरेगा। और मैं उस का पिता
होऊँगा। मैं हमेशा के लिए उसके राजासन को
बना कर रखूँगा। 11 अब हे मेरे बेटे, “याहवे
तुम्हारे साथ हों। तुम परमेश्वर के कहने के
अनुसार उनके लिए भवन बनाना। 12 याहवे
तुम्हें बुद्धि और समझ से भर दें। वह तुम्हें

शासक बना दें। तुम उनके बताए आदेशों को
मानते रहना। 13 तभी तुम्हें सफ़लता मिलेगी।
हिम्मत रखो और तुम्हारा मन कच्चा न हो।
14 सुनो, अपनी परेशानी के समय मैंने याहवे
के नाम से इमारत बनाने के लिए एक लाख
किक्कार सोना, दस लाख किक्कार चान्दी,
पीतल और लोहा इकट्ठा किया है। जिस का
वज़न करना भी मुश्किल है। लकड़ी और
पत्थर भी मैंने इकट्ठा किया है। तुम चाहो तो
और इकट्ठा कर लेना। 15 तुम्हारे पास योग्य
कारीगर भी हैं, जो तराशने और गढ़ने का
काम कर सकेंगे। 16 सोना, चान्दी, पीतल
और लोहा तो बड़ी मात्रा में है, इसलिए काम
में लग जाओ। तुम्हें याहवे का साथ और
सहयोग हमेशा मिलेगा। 17 सभी गवर्नरों को
दाऊद ने आज्ञा दी कि वे उसके बेटे को
पूरी मदद दें। 18 उसने कहा,"क्या तुम्हारे
परमेश्वर याहवे तुम्हारे संग नहीं है ? क्या
चारों तरफ़ से तुम लोगों को दुश्मनों के साथ
शान्ति नहीं दी ? परमेश्वर ने देश के लोगों
को मेरे सुपुर्द कर दिया और देश याहवे और
उसकी प्रजा के सामने दबा हुआ है। 19 पूरे
तन -मन से अपने परमेश्वर के भवन में जाना
। पूरे मन से ही पवित्र स्थान बनाना। उस
पवित्र स्थान में वाचा का बक्सा और अलग
किए हुए बर्तन ले जाना।

23 दाऊद की उम्र बहुत हो चुकी थी।
इसलिए उसने देश की बागडोर
अपने बेटे के हाथ में सौंप दी। 2 इसके
बाद दाऊद ने गवर्नरों, पुरोहितों और लेवियों
को एक जगह बुलाया। 3 तीस साल और
उससे ज़्यादा उम्र के लेवियों को गिना गया,
जो अड़तीस हज़ार थे। 4 इनमें से चौबीस
हज़ार भवन में काम करने के लिए और
छै हज़ार सरदार तथा न्यायी। 5 दरवाज़े
की देख-रेख के लिए चार हज़ार और चार
हज़ार ही बाजों को बजाकर आराधना में
मदद के लिए अलग किए गए। 6 दाऊद ने
उन्हें गेर्शोन, कहात और मरारी नाम लेवी
के बेटों के अनुसार दलों में अलग-अलग
कर दिया। 7 गेर्शोनियों में से लादान और
शिमी थे। 8 लादान के बेटेः सरदार यहीएल,
जेताम और योएल थे। 9 शिमी के बेटे :
शलोमीत, हजीएल और हारान थे। लादान
के कुल के पूर्वजों के घरानों के मुख्य
आदमी ये ही थे। 10 शिमी के बेटेः यहत,
जीना, यूश और बरीआ। 11 यहत खास था।
जीजा दूसरा। यूश और बरीआ के बहुत
पुत्र नहीं पैदा हुए। इसलिए वे सभी एक
कुटुम्ब कहलाए। 12 केहात के बेटे : अम्राम,
यिसहार, हेब्रोन और उज्जीएल। अम्राम के
बेटे हारून और मूसा। 13 हारून और उसके
वंश को आराधना सम्बन्धित कामों के लिए,
जैसे धूप जलाना और उस स्थान की देख-रेख
के लिए अलग किया गया। इसलिए भी
कि वे लोगों को आशीर्वाद दें। 14 लेकिन
परमेश्वर के जन मूसा के बेटों के नाम
लेवी के गोत्र के बीच गिने गए। 15 मूसा
के बेटे गेर्शोम और एलीएज़ेर 16 मुख्य था
गेर्शोम का बेटा शबूएल 17 एलीएज़ेर का बेटा
रहब्याह था। उसके अलावा उसके और
कोई बेटा न हुआ। 18 यिसहार के बेटों में
से शलोमीत खास था। 19 हेब्रोन के बेटेः
यरीय्याह ,दूसरा अमर्याह, तीसरा अहजीएल
और चौथा यकमाम था। 20 उज्जीएल के बेटों
में से मुख्य था मीका और दूसरा यिश्शिय्याह
। 21 मरारी के बेटे : महली और मूशी। महली
के बेटेः एलीआज़र और कीश। 22 एलीआज़र
बे औलाद रह गया। उसके बेटियाँ ज़रूर
हुयीं। उसके भाई जो कीश के बेटे थे, उन
लोगों ने उन लड़कियों से विवाह किया।

23 मूशी के बेटे : महली, एदेर और यरेमोत।
24 लेवीय पितरों के घरानों के मुख्य आदमी
ये ही थे। ये लोग बीस या उससे ज़्यादा उम्र के
थे। परमेश्वर के भवन की देख-भाल किया
करते थे। 25 दाऊद ने कहा था , “क्योंकि
परमेश्वर ने इस्राएल को शान्ति दी है और
वह यरूशलेम में बस चुके हैं। 26 लेवियों को
निवास और आराधना का सामान ढोना नहीं
पड़ेगा।” 27 दाऊद की पहले दी गयी आज्ञा
के हिसाब से बीस या उससे ज़्यादा उम्र के
लेवी गिने गए थे। 28 उनकी यह ज़िम्मेदारी थी
कि वे हारून के वंश[a] की सेवा करें। 29 भेंट
की रोटियों का, अन्नबलियों के मैदे का,
अखमीरी पपड़ियों का, तवे पर सिके और
सने हुए तथा नापने -तौलने का काम करें।
30 हर सुबह और शाम को याहवे परमेश्वर
की बड़ाई करने के लिए खड़े रहें। 31 विश्राम
दिनों, नए चान्द के दिनों और ठहराए गए
त्यौहारों में गिनती के नियम के हिसाब से
हर दिन होमबलियों को चढ़ाएँ। 32 भवन की
आराधना के बारे में मिलने वाले तम्बू और
पवित्रस्थान की रक्षा करें। इस तरह से अपने
भाई हारूनियों के सुपुर्द किए गए काम को
अच्छी तरह से करें।

24 हारून की सन्तान के दल ये थे।
हारून के बेटे नादाब, अबीहू,
एलीआज़र और ईतामार थे। 2 नादाब और
अबीहू के कोई बेटा नहीं हुआ। इसलिए
पुरोहित का काम एलीआजार और ईतामार
करते रहे। 3 दाऊद ने एलीआज़र के वंश के
सादोक और ईतामार के वंश के अहीमेलेक
की मदद से उनको अपनी -अपनी सेवा
के मुताबिक दल-दल करके बाँट दिया।
4 एलीआज़र के वंश के खास आदमी,
ईतामार के वंश के खास आदमियों से गिनती
में ज़्यादा थे। एलीआज़र के वंश के बुज़ुर्गो
के घरानों के सोलह और ईतामार के वंश के
बुज़ुर्गो के घरानों के आठ खास आदमी थे।
5 चिट्ठी डाल कर वे बराबर-बराबर बाँटे गए,
क्योंकि एलीआज़र और ईतामार दोनों के
वंशों में पवित्र जगह के प्रधान और परमेश्वर
के प्रधान ठहराए हुए थे। 6 नतनएल के
बेटे शमायाह ने जो लेवीय था, उनके नाम
राजा और गर्वनरों और सादोक पुरोहित
एब्यातार के बेटे अहीमेलेक और पुरोहितों
और लेवियों के बुज़ुर्गो के खास आदमियों
के सामने लिखे अर्थात बुज़ुर्गो का एक
कुटुम्ब एलीआज़र की नस्ल में से और एक
ईतामार की नस्ल में से लिया गया। 7 पहली
चिट्ठी यहोयारीब, दूसरी यदायाह। 8 तीसरी
हारीम, चौथी सोरीम। 9 पाँचवी मल्किय्याह,
छठवीं मिय्यामीन 10 सातवीं हक्कोस, आठवीं
अबिय्याह 11 नौवीं येशू, दसवीं शकन्याह
12 ग्यारहवीं एल्याशीब, बारहवीं याकीम
13 तेरहवीं हुप्पा, चुपड़ी येसेबाब 14 पन्द्रहवीं
बिल्गा, सोलहवीं इम्मेर 15 सतरहवीं हेजीर,
अट्ठारहवीं हपित्सेस 16 उन्नीसवीं पतह्याह,
बीसवीं यहेजकेल 17 इक्कीसवीं याकीन,
बाईसवीं गामूल 18 तेईसवीं दलायाह और
चौबीसवीं माज्याह के नाम पर निकलीं
19 उनकी सेवा के लिए यही बातें ठहरायी
गयीं,कि वे परमेश्वर के आदेश के अनुसार
किया करें। 20 जो लेवीय बच गए थे, उनमें
से अम्राम के वंश में से शूबाएल और उसके
वंश में से येहदयाह। 21 अब रहा रहब्याह,
रहब्याह के वंश में से यिश्शिय्याह खास था।
22 इसहारियों में से शलोमोत और शलोमोत
के वंश में से यहत 23 हेब्रोन के वंश में से
मुख्य यरीय्याह, अमर्याह, यहजीएल और

[a] **23.28** पुरोहितों

यकमाम था। 24 उज्जीएल के वंश में से मीका
और मीका के वंश में से शामीर। 25 मीका
के भाई यिश्शिय्याह, और उसके वंश में से
ज़कर्याह 26 मरारी के बेटे महली और मूशी
तथा याजिय्याह का बेटा बिनो था। 27 मरारी
के बेटेः याजिय्याह से बिनो, शोहम, जक्कूर
और इब्री थे। 28 महली से एलीआजार था
लेकिन उसके कोई बेटा न था। 29 कीश
के वंश में से यरहमेल। 30 मूशी के बेटे
महली, एदेर और यरीमोत। अपने बुज़ुर्गो
के परिवारों के अनुसार यही लेवीय सन्तान
के थे। 31 इन्होंने भी अपने भाई हारून की
सन्तानों की तरह दाऊद राजा और सादोक
और अहीमेलेक और पुरोहितों और लेवियों
के बुज़ुर्गो के कुटुम्बों के मुख्य आदमियों
के सामने चिट्ठियाँ डालीं। मुख्य आदमी के
पितरों का घराना उसके छोटे भाई के पितरों
के घराने के बराबर ठहरा।

25 दाऊद और सेनापतियों ने आसाप,
हेमान और यदूतून के तमाम बेटों
को सेवा के लिए ठहराया कि वे वीणा,
सारंगी और झांझ बजा बजाकर नबूवत
करें। इनकी गिनती ऐसी थीः 2 आसाप के
बेटों में से जक्कूर, योसेप, नतन्याह और
अशरेला। आसाप के ये बेटे उसकी मानते
थे। आसाप तो राजा के कहने पर नबूवत
किया करता था । 3 यदूतून के बेटों में से
गदल्याह, सरीयशायाह, हसब्याह, मत्तित्याह
अपने पिता के आदेश पर वीणा बजाते थे।
यदूतून परमेश्वर की बड़ाई करते हुए नबूवत
करता था। 4 हेमान के बेटों में से बुक्कियाह,
मत्तन्याह, लज्जीएल, शबूएल, यरीमोत,
हनन्याह, हनानी, एलीआता, गिद्दलती,
रोममतीएज़ेर, योशबकाशा, मल्लोती, होतीर,
और महजीओत। 5 ये सभी हेमान के बेटे थे।
हेमान राजा का दर्शी था। हेमान के चौदह
बेटे और तीन बेटियाँ थीं। 6 ये सभी अपने
पिता की अगुवाई में याहवे के भवन में झांझ,
सारंगी और वीणा बजाकर भजन कीर्तन
किया करते थे। आसाप, यदूतून और हेमान
राजा की सुनते थे। 7 इन सभी योग्य गाने
बजाने वालों की संख्या दो सौ अठयासी थी।
8 सभी छोटे-बड़े ने अपनी बारी के लिए चिट्ठी
डाली। 9 पहली चिट्ठी आसाप के बेटे योसेप
के नाम पर निकली। दूसरी गदल्याह के नाम
पर 10 तीसरी जक्कूर के नाम पर, जिस के
बेटे और भाई मिला कर बारह थे। 11 चौथी
यिस्त्री के नाम पर, जिस के बेटे और भाई
भी मिला कर बारह थे। 12 पाँचवी नतन्याह
के नाम पर । उसके बेटे और भाई कुल मिला
कर बारह थे। 13 छठी बुक्कियाह के नाम पर
जिस के बेटे और भाई बारह थे। 14 सातवीं
यसरेला के नाम पर, जिस के बेटे और भाई
बारह थे। 15 आठवीं चिट्ठी यशायाह के नाम
पर थी। उसके भाईयों और बेटों की गिनती
बारह थी। 16 नौवीं मतन्याह के नाम पर
निकली। उसके भाई-बेटे बारह थे। 17 दसवीं
शिमी के नाम पर। उसके भाई और बेटे बारह
थे। 18 ग्यारवीं चिट्ठी अजरेल के नाम पर थी।
वे लोग भी बारह थे। 19 बारहवीं हशब्याह
के नाम पर आई, वहाँ भी बारह जन थे।
20 तेरहवीं शूबाएल के नाम पर। भाई और बेटे
मिला कर बारह थे। 21 चौदहवीं मत्तिय्याह
के नाम पर निकली। वहाँ भी भाई-बेटे मिला
कर बारह थे। 22 पन्द्रहवीं यरेमोत के लिए
थी। सभी मिला कर बारह थे। 23 सोलहवीं
हनन्याह के नाम पर थी। भाई-बेटे मिला कर
बारह थे। 24 सत्रहवीं योशबकाशा के नाम पर
निकली। भाईयों -बेटों का योग बारह था।
25 अठारहवीं हनानी के नाम पर थी जिस के
पुत्र और भाई उस को मिला कर बारह थे।

26 उन्नीसवीं महलोती के नाम पर थी। बारह
और जन भी थे। 27 बीसवीं इलिय्यता के नाम
पर निकली जिस के पुत्र और भाई की संख्या
बारह थी। 28 होतीर के नाम पर इक्कीसवीं
चिट्ठी निकली। 29 बाईसवीं गिद्दलती के लिए
थी। जिस के पुत्र और भाई और वह खुद
मिला कर बारह लोग थे। 30 महजीओत के
नाम पर तेईसवीं चिट्ठी थी। 31 चौबीसवीं
रोममतीएज़ेर के नाम पर। वहाँ भी बारह जनों
में बेटे और भाई थे।

26 द्वारपाल के दल इस प्रकार थेः
कोरह वंशियों में से मशेलेम्याह।
2 मशेलेम्याह के बेटों के नाम इस प्रकार
थेः ज़कर्याह, यदीएल, जबद्याह 3 यतीएल,
एलाम, यहोहानान और एल्यहोएनै
4 अबेदेदोम के बेटे : शमायाह, यहोजाबाद,
योआह, सकार, नतनेल। 5 अम्मीएल,
इस्साकार, पुल्लतै 6 पुल्लतै के बेटे बहादुर थे,
इसलिए उनका दबदबा था। 7 शमायाह के
बेटेः ओती, रपाएल, ओबेद, एलजाबाद,
और उनके भाई एलीहू तथा समक्याह वीर
थे। 8 ये सभी ओबेदेदोम की सन्तान में से
थे। वे और उनके बेटे और भाई सेवा के
लिए बहादुर थे और इनकी संख्या बासठ
थी। 9 मशेलेम्याह के अठ्ठारह भाई और बेटे
ताकतवर थे। 10 मरारी के वंश में से होसा
के बेटे : शिम्री 11 हिलकिया, तबल्याह और
ज़कर्याह। बेटे और भाई मिल कर तेरह।
12 द्वारपालों के दल इन खास आदमियों
के थे, ये अपने भाईयों की तरह याहवे के
भवन में सेवा किया करते थे। 13 छोटे-बड़ों
ने अपने-अपने बुज़ुर्गो के कुटुम्ब के अनुसार
एक-एक फ़ाटक के लिए चिट्ठी निकाली।
14 पूरब की ओर की चिट्ठी शेलेम्याह के नाम
पर निकली। इन्होंने उसके बेटे ज़कर्याह के
नाम की चिट्ठी डाली। चिट्ठी उत्तर की ओर
के लिए निकली। 15 दक्षिण की ओर के लिए
ओबोदेदोम का नामा आया। उसके बेटों के
नाम पर खज़ाने की कोठरी थी। 16 फिर
शुप्पीम और होसा के नामों की चिट्ठी पश्चिम
दिशा के लिए निकली। इस तरह उन्हें
शल्लेकेत नामक फ़ाटक के पास चढ़ाई वाली
सड़क पर चौकीदारी की ज़िम्मेदारी मिली।
17 पूरब की तरफ़ छैः लेवीय थे। उत्तर की
तरफ़ हर दिन चार और खज़ाने की कोठरी
के पास दो -दो ठहरे। 18 पश्चिम में पर्बार
नाम की जगह पर ऊँची सड़क के पास चार
और पर्बार के पास दो। 19 ये चौकीदारों के
दल थे, जिन में से तमाम कोरह और तमाम
मरारी वंश के थे। 20 लेवियों में से अहिय्याह
परमेश्वर के भवन और अलग की हुयी
चीज़ों, दोनों के भण्डारों का अधिकारी
बनाया गया। 21 ये लादान की सन्तान के
थे। अर्थात गेर्शोनियों की सन्तान जो लादान
के कुल के थे। मतलब यह कि लादान
और गेर्शोनी के पितरों के कुटुम्ब के खास
आदमी थे अर्थात यहोएली। 22 यहोएली के
बेटेः जेताम और उस का भाई योएल जो
याहवे के भवन के खज़ाने के कर्त्ता-धर्ता थे।
23 अम्रामियों, यिसहारियों, हेब्रोनियों और
उज्जीएलियों में से 24 शबूएल मूसा के बेटे
गेर्शोम के वंश का था। उसी के हाथ में
खज़ाना था। 25 उसके भाई : एलीआज़र के
कुल में उस का बेटा रहब्याह, रहब्याह का
बेटा, यशायाह, यशायाह का योराम, योराम
का बेटा जिक्री और जिक्री का शलोमोत
था। 26 यही शलोमोत अपने भाईयों के
साथ उन सभी अलग की हुयी वस्तुओं
के भण्डार का ज़िम्मेदार ठहराया गया,
जिन्हें राजा दाऊद, पितरों के घरानों के
खास-खास आदमियों और सहस्त्रपतियों

और शतपतियों और मुख्य सेनापतियों ने
अलग की थी। 27 युद्ध के बाद जो लूट
हासिल होती थी, उसमें से याहवे के भवन
के लिए कुछ अलग रख दिया जाता था।
28 शमूएल दर्शी, कीश के बेटे शाऊल, नेर
के बेटे अब्नेर और सरूयाह के बेटे योआब
ने कुछ अलग किया था। और भी जो कुछ
किसी ने अलग किया था व सब शलोमोत
और उसके भाईयों की देख-रेख में था।
29 यिसहारियों में से कनन्याह और उसके
बेटे इस्राएल में जज और मुखिया ठहराए
गये। 30 हेब्रोनियों में से हशब्याह और उसके
भाई जिन की गिनती सत्रह सौ थी, याहवे
के काम और राजा के काम के लिए रखे
गए। वे लोग यरदन के पश्चिम की ओर रहने
वाले लोगों के ऊपर अधिकारी बनाए गए।
31 हेब्रोनी लोगों में से यरीय्याह मुख्य व्यक्ति
था। उनकी पीढ़ी-पीढ़ी के बापदादों के
कुटुम्ब के आधार पर दाऊद के शासन
काल के चालीसवें साल में उन्हें ढूँढा गया।
उन में से तमाम बहादुर लोग गिलाद के
याजेर में मिल गये । 32 उसके बहादुर भाई,
पितरों के घरानों के दो हज़ार सात सौ मुख्य
पुरुष थे। इनको दाऊद राजा ने परमेश्वर के
सभी विषयों और राजा के बारे में रूबेनियों,
गादियों और मनश्शे के आधे कबीले का
अधिकार दिया।

27 पितरों के कुटुम्बों के मुख्य
आदमियों और उनके सहस्त्रपतियों
और शतपतियों और उनके सरदारों की
गिनती की गयी। ये लोग साल भर महीने
-महीने मौजूद होने और अवकाश पाने वाले
झुण्डों के सभी विषयों में राजा की सेवा
करते थे। इनकी संख्या एक-एक झुण्ड में
चौबीस हज़ार थी। 2 पहले महीने के पहले
पहले झुण्ड का मुखिया जब्दीएल का बेटा
याशोबाम ठहराया गा। उसके झुण्ड में
चौबीस हज़ार लोग थे। 3 वह पेरेस वंश का
था। वह पहले महीने में सभी सेनाध्यक्ष
के ऊपर था। 4 दूसरे महीने के झुण्ड का
अधिकारी दोदै नाम का अहोही था। उसके
झुण्ड का मुखिया मिक्लोत था। इस झुण्ड
में भी चौबीस हज़ार लोग थे। 5 तीसरे
महीने के लिए तीसरा सेनाध्यक्ष यहोयादा
पुरोहित का बेटा बनायाह था। इस झुण्ड
में चौबीस हज़ार थे। 6 यही बनायाह तीस
जनों में बड़ा बहादुर समझा जाता था।
उसके झुण्ड में अम्मीजाबाद था। 7 चौथे
महीने में चौथा सेनाध्यक्ष योआब के भाई
असाहेल को ठहराया गया। उसके बाद
उस का बेटा जबद्याह था। उस दल में भी
चौबीस हज़ार लोग थे। 8 पाँचवे महीने
में पाँचवा सेनाध्यक्ष यिज्राही शम्हूत था।
उसके दल में भी चौबीस हज़ार लोग थे।
9 छठवें महीने के लिए जो सेनाध्यक्ष था,
उस का नाम था ईरा, जो तकोई इक्केश का
बेटा था। इस दल में भी चौबीस हज़ार थे।
10 सातवें महीने के लिए सातवाँ सेनाध्यक्ष
एप्रैम के वंश का हेलैस पलोनी था। इस दल
में चौबीस हज़ार व्यक्ति थे। 11 आठवें महीने
के लिए आठवाँ सेनाध्यक्ष जेरह के वंश
का हूशाई सिब्बकै था।उसके पक्ष में भी
चौबीस हज़ार की संख्या थी। 12 नौवें महीने
का नवाँ सेनापति बिन्यामीनी अबीएज़ेर
अनातोतवासी था। उसके दल में चौबीस
हज़ार लोग थे। 13 दसवें महीने के लिए
दसवाँ सेनाध्यक्ष जेरही महरै नतोपवासी
था। उसके साथ भी चौबीस हज़ार जन
थे। 14 ग्यारहवें महीने के लिए ग्यारहवाँ
सेनाध्यक्ष एप्रैम के वंश के बनायाह
पिरातोनवासी के साथ चौबीस हज़ार लोग

थे। 15 बारहवें महीने में बारहवाँ सेनापति
ओत्नीएल था, जिस के झुण्ड में चौबीस
हज़ार लोग थे। 16 इस्राएली कबीलों के
अधिकारी ये थे : रूबेनियों का प्रधान जिक्री
का बेटा एलीआज़र शिमोनियों से माका
का बेटा, शपत्याह। 17 लेवी से कमूएल
का बेटा शहब्याह, हारून की सन्तान का
सादोक। 18 यहूदा एलीहू नाम का दाऊद का
एक भाई, इस्साकार से मीकाएल का बेटा
ओम्नी। 19 जबूलून से ओबद्याह का बेटा
यिशमायाह, नप्ताली से एज्रीएल का बेटा
यरीमोत। 20 एप्रैम से अजज्याह का बेटा
होशे, मनश्शे से आधे कबीले का फदायाह
का बेटा योएल 21 गिलाद में आधे कबीले
मनश्शे से ज़कर्याह का बेटा इद्दो, बिन्यामीन
से अब्नेर का बेटा यासीएल, 22 दान से
यरोहाम का बेटा अजरेल। ये सभी इस्राएली
कबीलों के गवर्नर थे। 23 लेकिन दाऊद ने
बीस साल से कम उम्र के लोगों की गिनती
नहीं थी। ऐसा इसलिए क्योंकि परमेश्वर
का यह वायदा था कि इस्राएल आकाश के
तारों की तरह होगा। 24 सरूयाह के बेटे
योआब ने गिनना शुरू तो किया, लेकिन
कर न पाया। तभी परमेश्वर का गुस्सा
इस्राएल पर भड़क गया। 25 अदीएल का पुत्र
अजमावेत राज भण्डारों का अधिकारी था।
उजिय्याह का बेटा यहोनातान, गाँव-देहात
और गढ़ों के भण्डारों का अधिकारी था।
26 कबूल का बेटा एज्री, खेती करने वालों
के ऊपर ठहराया गया। 27 अंगूर के बगीचों
का अधिकारी रमाई शिमी और बगीचों
की उपज का अधिकारी शापामी ज़ब्दी
था। 28 देश के निचले हिस्से के जलपाई
और गूलर के पेड़ों का अधिकारी गदेर,
बाल्हानान और तेल के भण्डारों का योआश
ठहरा। 29 शारोन की चरागाह में चरने वाले
गाय-बैलों की ज़िम्मेदारी शारोनी शित्रै को
दी गई। तराई के गाय-बैलों की देख-रेख का
काम अदलै के बेटे शापात को दिया गया।
30 ऊँटों की ज़िम्मेदारी इश्माएली ओबील
और गदहों की मेरोनोतवासी येहदयाह को
31 भेड़ बकरियों के लिए अग्री याजीज था।
यही लोग दाऊद की दौलत की निगरानी
करते थे। 32 योनातान, दाऊद का भतीजा
और बुद्धिमान मन्त्री और शास्त्री था। वह
हक्मोनी का बेटा एहीएल राजपुत्रों के साथ
रहा करता था। 33 अहीतोपेल राजा का
मन्त्री था। एरेकी हूशै राजा का दोस्त था।
34 अहीतोपेल के बाद बनायाह का पुत्र
यहोयादा और एब्यातार मंत्री बनाए गए।
राजा का प्रमुख सेनाध्यक्ष योआब था।

28 दाऊद ने इस्राएल के सभी गवर्नरों
और राजा की सेवा करने वाले
दलों के गवर्नरों को और सहस्त्रपतियों तथा
शतपतियों और राजा तथा उसके बेटों के
जानवर आदि सभी धन दौलत की देख-रेख
करने वालों, सरदारों और बहादुरों को
यरूशलेम में बुलवाया। 2 तभी दाऊद खड़े
होकर कहने लगा, ‘हे मेरे भाईयो और प्रजा
के लोगो, मेरी सुनो। मैं चाहता तो यह
था कि याहवे की वाचा का बक्सा और
परमेश्वर के लिए एक भवन बनाऊँ। मैंने
उसकी तैयारी की भी थी। 3 लेकिन परमेश्वर
बोले, “क्योंकि तुमने युद्ध करके बहुत खून
बहाया है इसलिए तुम ऐसा नहीं कर पाओगे।
4 इसके बावजूद परमेश्वर ने मेरे पिता के
पूरे कुटुम्ब में से मुझे ही अलग किया कि
इस्राएल का राजा बना रहूँ। उन्होंने यहूदा को
मुख्य होने के लिए और मेरे पिता के कुटुम्ब
को चुना। मेरे पिता के बेटों में से मुझी को
इस्राएल का राजा बनाया। 5 सभी बेटों में से
परमेश्वर ने सुलैमान को चुन लिया कि वह

इस्राएल के राजासन पर बैठे। 6 परमेश्वर ने
मुझ से कहा है,“कि मेरा बेटा सुलैमान ही वह
भवन बना सकेगा। वह मेरा बेटा और मैं उस
का पिता होऊँगा। 7 यदि वह उनकी बातों का
पालन करता रहेगा, तो उस का शासन बना
रहेगा। 8 इसलिए अब इस्राएल के देखते और
अपने परमेश्वर के सामने उनकी आज्ञाओं
पर ध्यान करते रहो और मानते रहो, ताकि
तुम इस अच्छे देश में बने रहो और तुम्हारे
बाद दूसरी पीढ़ियाँ भी यहाँ बनी रहें।” 9 मेरे
बेटे सुलैमान, “तुम अपने पिता की समझ
रखना। तुम ईमानदारी, सच्चाई और खुशी से
उनकी सेवा करते रहना। इसलिए कि याहवे
परमेश्वर मनों को जाँचते हैं और हमारे मन
में जो ख्याल आते हैं, उन्हें भी जानते हैं। यदि
तुम उन से लगाव रखोगे तो उनका अनुभव
कर सकोगे। लेकिन यदि तुम उन्हें छोड़ दो,
तो वह तुम्हें भी हमेशा के लिए छोड़ देंगे।
10 अब सावधान रहना। याहवे परमेश्वर ने
तुम्हें एक ऐसा भवन बनाने के लिए चुना है
जो मात्र उन्हीं के लिए होगा। हिम्मत बाँधो
और इस काम में लग जाओ। 11 तब दाऊद
ने अपने बेटे सुलैमान को मन्दिर के ओसारे,
कोठरियों, भण्डारों, अटारियों, अन्दर की
कोठरियों ओर प्रायश्चित्त के ढकने से जगह
का नमूना, 12 और याहवे के भवन के आंगनों
और चारों ओर की कोठरियों और भवन के
भण्डारों और अलग की हुयी वस्तुओं के
भण्डारों के जो नमूने परमेश्वर की आत्मा
की प्रेरणा से उस को मिले थे, वे सभी दे
दिए। 13 फिर पुरोहितों और लेवियों के दलों
और याहवे के भवन की सेवा के सभी कामों
और याहवे के भवन की सेवा के सब सामान
14 अर्थात हर तरह की सेवा के लिए सोने के
बर्तनों के लिए सोना तौल कर। 15 सोने की
दीवटों के लिए और उनके दीपकों के लिए
प्रति एक एक दीवट, और उसके दीपकों का
सोना तौल कर और चान्दी के दीवटों के
लिए एक-एक दीवट, और उसके दीपक की
चाँदी और हर दीवट के काम के अनुसार
चाँदी तौलकर। 16 भेंट की रोटी की मेज़ों
के लिए एक-एक मेज़ का सोना तौल कर
और चान्दी की मेज़ों के लिए चाँदी 17 चोखे
सोने के काँटों, कटोरों और प्यालों और सोने
की कटोरियों के लिए एक-एक कटोरी का
सोना तौल कर, और चान्दी की कटोरियों
के लिए एक-एक कटोरी की चान्दी तौल
कर 18 धूप की वेदी के लिए तपाया हुआ
सोना तौल कर, और रथ अर्थात याहवे की
वाचा का बक्सा ढाँकने वाले और सब पंख
फैलाए हुए करूबों के नमूने के लिए सोना
दे दिया। 19 मैंने याहवे की ताकत से यह
सब कुछ लिख दिया है। 20 फिर दाऊद ने
सुलैमान से कहा,” हिम्मत रखो और काम
में लग जाओ। डरना नहीं और न घबराना।
ऐसा इसलिए क्योंकि जो मेरे परमेश्वर हैं,
वही तुम्हारे साथ हैं। वह तुम्हें कभी छोड़ेंगे
नहीं। 21 परमेश्वर के भवन के बनाए जाने
के लिए पुरोहितों और लेवियों के झुण्ड बना
दिए गए हैं। खुशी से काम करने वाले तमाम
समझदार लोग तुम्हारी मदद करेंगे। प्रजा के
लोग और गवर्नर, जो भी तुम कहोगे, करेंगे।

29 राजा ने अपनी प्रजा से कहा,
“परमेश्वर ने मेरे सुकुमार बेटे
सुलैमान को चुना है। जो उसे करना है,
वह बहुत मुश्किल काम है। यह बनाया
जाने वाला भवन इन्सान के लिए नहीं,
लेकिन परमेश्वर के लिए होगा। 2 अपनी
पूरी कोशिश से मैंने, सोना, चाँदी, पीतल,
लोहा, लकड़ी, कीमती पत्थर, मणि, नग
और बहुत सा संगमरमर इकट्ठा कर लिया है।

3 इसके अलावा मैं अपनी खुद की दौलत जो
सोने-चाँदी के रूप में है, इस भवन के लिए
दे रहा हूँ। 4 तीन हज़ार किक्कार ओपीर का
सोना, सात हज़ार किक्कार तपाई हुई चान्दी,
जिस से कोठरियों की अन्दर की दीवारें मढ़ी
जाती हैं। 5 सोने और चाँदी से बनायी जाने
वाली चीज़ों के लिए मैं सोना-चाँदी कारीगरों
को दे रहा हूँ। अपनी इच्छा से कोई भी
दे सकता है। 6 तब पितरों के घरानों के
प्रधानों और इस्राएल के कबीलों के गवर्नरों
और सहस्त्रपतियों और शतपतियों और राजा
के काम के अधिकारियों ने अपनी-अपनी
मर्जी से 7 पाँच हज़ार किक्कार और दस हज़ार
दर्कनोन सोना, दस हज़ार किक्कार चाँदी,
अट्ठारह हज़ार किक्कार पीतल और एक लाख
किक्कार लोहा दिया। 8 जिन के पास मणि
थे, उन्होंने मणि दिए। 9 लोगों को बहुत
खुशी हुयी, क्योंकि गवर्नर लोगों ने अपनी
राजी-खुशी से याहवे के लिए भेंट दी। इस से
दाऊद राजा भी खुश हुआ। 10 सभी के सामने
याहवे को धन्यवाद देते हुए वह बोला,"हे
इस्राएल के परमेश्वर शुरूआत से अन्त तक
आप धन्यवाद के लायक हैं। 11 आकाश में
और पृथ्वी पर जो कुछ है आपका ही है।
सारी शक्ति शान और सुन्दरता आप ही की
है।राज्य आपका है। सब कुछ के ऊपर आप
ही हैं। 12 दौलत और शोहरत आप से मिलती
है। आप सब के ऊपर हैं। शक्ति और पराक्रम
आपके हाथ में है। सभी को बढ़ाना और
ताकत देना आपके हाथ में है। 13 हम आपकी
बड़ाई करते है। 14 मैं और मेरी प्रजा क्या हैं,
कि अपनी इच्छा से आपको भेंट दें। जो कुछ
हम ने दिया है, वह हमें आप ही से मिला है।
15 आपकी निगाह में हम अपने पूर्वजों की
तरह पराए और परदेशी हैं। इस दुनिया में हम
छाया की तरह हैं। हमारा कोई ठिकाना नहीं
है। 16 हम ने जो ढेर सी धन दौलत आपके
भवन के लिये इकट्ठी की है, वह हमें आप
ही से मिली है । 17 हे मेरे परमेश्वर, मुझे
मालूम है कि आप मन को परखते हैं। आपको
सीधापन पसन्द है। मैंने जो कुछ भी दिया
है, वह अपनी मर्ज़ी से और साफ़ दिल से
दिया है। आपके लोग भी बिना किसी दबाव
से भेंट देते है। 18 हे याहवे और अब्राहम,
इसहाक और याकूब के परमेश्वर अपने
लोगों के मन के ख्यालों में इस बात को बना
कर रखियेगा। उनके मन अपनी ओर लगाए
रखियेगा। 19 मेरे बेटे सुलैमान के मन को
ऐसा कर दीजिए कि वह आपकी आज्ञाओं,
चितौनियों और विधियों को मानता रहे। वह
उस भवन को भी बना ले, जिस की तैयारी
मैंने कर ली है। 20 तब दाऊद ने अपनी प्रजा
से कहा, "तुम अपने परमेश्वर याहवे की
बड़ाई करो।" सभी ने ऐसा किया भी। उन्होंने
अपने -अपने सिर झुकाकर याहवे और राजा
को दण्डवत् किया। 21 दूसरे दिन उन्होंने
याहवे के लिए कुर्बानी कीः इसमें एक हज़ार
बैल, एक हज़ार भेड़ के बच्चे होमबलि और
मेलबलि चढ़ाई गयीं। 22 इसके बाद सुलैमान
को दूसरी बार राजा ठहराकर, प्रधान होने के
अभिषेक किया गया। सादोक का अभिषेक,
पुरोहित होने के लिए किया गया। 23 तब
सुलैमान तख्त पर बैठने लगा इस्राएल ने
उसे अपना राजा स्वीकार किया। 24 सभी
गवर्नरों बहादुर लोगों और दाऊद के बेटों
ने भी सुलैमान की अधीनता स्वीकार की।
25 याहवे सुलैमान को तरक्की देते गए।
उसकी शान किसी भी इस्राएली राजा की
शान से अधिक थी। 26 इस तरह यिशै के
बेटे का राज्य इस्राएल पर रहा। 27 चालीस
साल तक उसने शासन किया :सात साल
हेब्रोन से और तैंतीस साल यरूशलेम से

28 काफ़ी बूढ़ा होने के बाद उस का देहान्त हो
गया। सुलैमान ने शासन जारी रखा। 29 दाऊद
के किए हुए सभी काम, 30 बहादुरी और
देशों को किस-किस हालत से उसके कारण
गुज़रना पड़ा यह सब शमूएल नबी और
नातान नबी और गाद नबी की किताबों में
दर्ज़ हैं।

DUSTY SANDALS
All Rights Reserved. www.dustysandals.com